रांची, सोमवार, 22 दिसंबर 2025
संवत 2082, पौष शुक्ल तीन मूल्य-2 रुपये
वर्ष-9, अंक 103 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक

4 ▶▶ देरी से शादियाँ और तलाक के बढ़ते मामले

पायल गेमिंग के सपोर्ट में आईं अंजलि अरोड़ा ◀◀ 6

झारखंड में कड़ाके की ठंड से हाल बेहाल

रांची का पारा 5.4 डिग्री पर पहुंचा, उत्तरी और मध्य भागों में घने कोहरे का डेरा

संवाददाता

रांची: झारखंड में हाड़ कंपाने वाली ठंड पड़ रही है। ठिठुरन से लोग परेशान है। अस्पताल में ठंड से प्रभावित मरीजों का तांता लगा हुआ है। ऊपर से कोहरे की वजह से गाड़ियों की रफ्तार पर असर पड़ा है। इस बीच 22 दिसंबर को राजधानी रांची का न्यूनतम तापमान 5.4 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है। कुल आठ ऐसे जिलें हैं, जहां न्यूनतम पारा 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा है।

नौ जिलों का न्यूनतम पारा लुढ़का : रांची के अलावा डाल्टनगंज में 6.5 डिग्री, लोहरदगा में 7.1 डिग्री, गुमला में 7.3 डिग्री, खूंटी में 7.3 डिग्री, हजारीबाग में 7.6 डिग्री, कोडरमा में 8.1 डिग्री, बोकारो में 9.2 डिग्री, चाईबासा में 9.2 डिग्री और लातेहार में 9.5 डिग्री तापमान रहा है। ठंड की वजह से इन जिलों में जनजीवन पर व्यापक असर पड़ा है।

5 जिलों में अधिकतम पारा 20 डिग्री से नीचे : सबसे ज्यादा चिंता वाली बात अधिकतम पारा में कमी को लेकर है। हजारीबाग में अधिकतम पारा 15.8 डिग्री पर पहुंच गया है। साथ ही न्यूनतम पारा 7.6 डिग्री रहा है। इसकी वजह से दिन में भी सिहरन महसूस की जा रही है। खासकर स्कूली बच्चों को काफी दिक्कत झेलनी पड़ रही है। कुल पांच ऐसे जिले हैं जहां का अधिकतम पारा 20 डिग्री से नीचे चला गया है। इनमें हजारीबाग के बाद कोडरमा में 17 डिग्री, डाल्टनगंज में 18.5 डिग्री, लोहरदगा में 19.4 डिग्री और लातेहार में 19.8 डिग्री अधिकतम तापमान रिकॉर्ड हुआ है। खास बात है कि राज्य के 19 जिले ऐसे हैं, जहां का अधिकतम पारा 25 डिग्री से 20 डिग्री के बीच रिकॉर्ड हुआ है।

राज्य के 16 जिलों पर कोहरे का साया : मौसम केंद्र, रांची की रिपोर्ट के मुताबिक राज्य के 16 जिले ऐसे हैं, जहां 22 दिसंबर को घना कोहरा देखा गया है। सबसे ज्यादा असर चतरा, कोडरमा, हजारीबाग, गिरिडीह, रामगढ़ और बोकारो में पड़ा है। इसके अलावा गढ़वा, पलामू, लातेहार, लोहरदगा, गुमला, रांची, खूंटी, धनबाद, देवघर और जामतड़ा में भी कोहरे ने डेरा जमा लिया है। देवघर की विजिबिलिटी 200 मीटर पहुंच गई है। जमशेदपुर की विजिबिलिटी 300 मीटर है।

जज कॉलोनी के पास बेकाबू कार डिवाइडर पर चढ़ी, बड़ा हादसा टला

रांची : रांची में सोमवार को एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते बचा। कांके रोड स्थित जज कॉलोनी पास एक अनियंत्रित कार डिवाइडर पर चढ़ गई। यह घटना राजभवन के पीछे वाले गेट के पास, एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) कार्यालय से ठीक पहले घटी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार संभवतः तेज रफ्तार में थी और चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया, इस वजह से तेज रफ्तार में आ रही कार अचानक अनियंत्रित हो गई और मुख्य सड़क के बीच बने डिवाइडर से जा टकराई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और वह डिवाइडर पर चढ़कर फंस गया। गनीमत रही कि इस दौरान कोई पैदल यात्री या अन्य वाहन इसकी चपेट में नहीं आया। फिलहाल घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से कार में सवार लोगों को बाहर निकाला गया।

अपराधियों ने 25 वर्षीय युवक की गोली मारकर की हत्या

खूंटी : जिले के कर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत गुयु गांव में सोमवार की सुबह अज्ञात अपराधियों ने एक 25 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और शोक का माहौल व्याप्त है। मृतक युवक की पहचान रोहित तिग्गा (25 वर्ष) के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, सोमवार की सुबह करीब साढ़े छह बजे रोहित तिग्गा अपने घर पर थे। इसी दौरान उसके दो दोस्त उसे घर से बुलाकर बाहर ले गए। इसके बाद रोहित गांव में अपने दोस्तों के साथ अलाव ताप रहा था। इसी दौरान सुबह लगभग साढ़े सात बजे के करीब अज्ञात अपराधी ने पीछे से रोहित पर गोली चला दी।

गोली सीधे रोहित को लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। परिजन आनन-फानन में रोहित को इलाज के लिए अस्पताल ले गए, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

छेड़खानी का विरोध किया तो महिला पर डाल दिया खौलता तेल, एक गिरफ्तार

गिरिडीह: जिले में एक महिला के ऊपर खौलता तेल उड़ेल दिया गया। मामला छेड़खानी से जुड़ा हुआ है। घटना मुफस्सिल थाना इलाके के एक गांव से जुड़ी हुई है। रविवार को देर शाम की इस घटना को पुलिस ने गंभीरता से लिया और मामले में प्राथमिकी दर्ज करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

खौलता हुआ तेल महिला पर डाल दिया : इस घटना में झुलसी महिला का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। मामले को लेकर पीड़िता ने बताया कि वह दुकान चलाती थी। रविवार की शाम को भी वह पकौड़ी बना रही थी, तभी बगल गांव के रहने वाले उदय चौधरी और मनीष चौधरी आए। आते ही दोनों ने छेड़खानी शुरू कर दी। उसने जब विरोध किया तो खौलता हुआ तेल उसके ऊपर उड़ेल दिया जिससे वह बुरी तरह झुलस गई। गांव के लोग उसे लेकर सदर अस्पताल आ गए।

लड़कों ने महिला के साथ छेड़खानी की: पूर्व मुखिया : पूर्व मुखिया राजेश वर्मा ने बताया कि महिला का परिवार इसी दुकान से चलता है। जिन दोनों लड़कों ने महिला के साथ छेड़खानी की और फिर जान लेने का प्रयास किया, वे दोनों लड़के बदतमीज स्वभाव के हैं। इनके द्वारा पूर्व में भी कई तरह की हरकतें की गई हैं। चूंकि दोनों दबंग परिवार से आते हैं। इसलिए उनसे कोई उलझता नहीं है, लेकिन अब हद हो गई है। ऐसे लड़कों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। पूर्व मुखिया ने बताया कि महिला के बेहतर इलाज में लोग जुटे हुए हैं।

बांग्लादेश में हिंसा जारी, एक और नेता को गोली मारी, बिगड़ रहे हालात

ढाका : पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। बीते सप्ताह ही इंकलाब मंच के नेता शरीफ उस्मान हादा का बाइक सवार हमलावरों ने कत्ल कर दिया था तो वहीं सोमवार को एक और नेता पर अटैक हुआ है। नेशनल सिटिजन पार्टी के नेता मोतालेब शिकदर को गोली मारी गई है। वह एनसीपी की खुलना डिविजन के सेंट्रल ऑर्गनाइजर हैं। यह घटना सुबह करीब 11:45 बदे की है, जब हमलावरों ने शिकदर के सिर पर निशाना लगाते हुए गोली चला दी। उन्हें तुरंत ही खुलना मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल ले जाया गया। स्थानीय पुलिस थाने के इंचार्ज अनिमेश मंडल ने बताया कि उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था। हमलावरों ने उन्हें जान से मारने के इरादे से ही गोली चलाई थी। लेकिन शिकदर भाग्यशाली रहे कि गोली उनके कान को लगते हुए निकल गई। इससे वह घायल तो हुए हैं, लेकिन खतरे से बाहर हैं। इससे पहले ढाका-8 सीट से सांसद का चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे शरीफ उस्मान हादी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उनके भी सिर पर ही गोली चलाई गई थी। यह घटना ढाका पालटन इलाके में हुई थी। उस्मान हादा का पहले ढाका मेडिकल कॉलेज में इलाज चला था। उसके बाद हालत न सुधरने पर उन्हें सिंगापुर भेजा गया था, लेकिन जान नहीं बच सकी। उस्मान हादा की मौत के बाद बांग्लादेश में फिर से हालात बिगड़ गए और हिंसा शुरू हो गई। इस बीच मयमनसिंह जिले में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की एक फैक्ट्री में लोगों ने जिंदा जलाकर हत्या कर दी। दीपू चंद्र दास पर भीड़ ने आरोप लगाया था कि उन्होंने उनकी मजहबी भावनाओं को आहत किया है। इस घटना पर भारत ने भी सख्त ऐतराज जताया है और बांग्लादेश को अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की नसीहत दी है। वहीं बांग्लादेश की पुलिस ने सफाई दी कि उन्हें इस घटना की जानकारी देरी से मिली वरना दीपू को बचाया जा सकता था। बता दें कि 2024 में शेख हसीना की सत्ता से विदाई के बाद से ही कट्टरपंथी तत्वों के समर्थन से मोहम्मद यूनुस सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं और तब से ही बांग्लादेश में हालात बिगड़े हुए हैं।

भारत-न्यूजीलैंड नया मुक्त व्यापार समझौता

95 प्रतिशत सामानों पर टैरिफ में कटौती, 5 साल में व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य

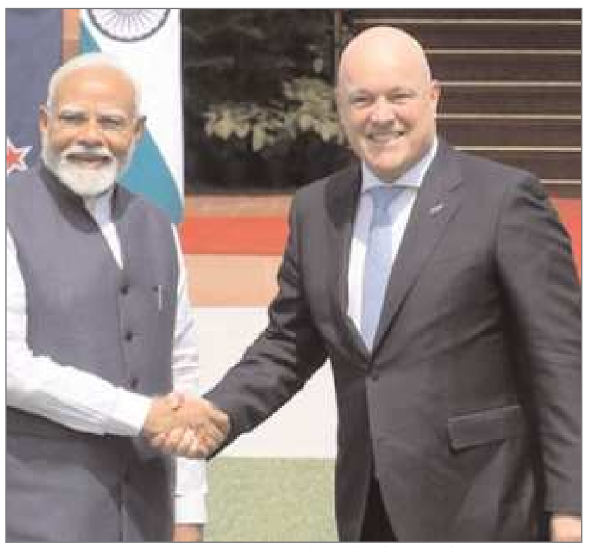

नई दिल्ली : भारत और न्यूजीलैंड ने एक नया मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) किया है, जिसके तहत न्यूजीलैंड की 95 प्रतिशत वस्तुओं पर टैरिफ में कमी की गई है। यह समझौता न्यूजीलैंड के लिए 1.4 अरब भारतीय उपभोक्ताओं तक पहुंचने का एक बड़ा अवसर है। इस ऐतिहासिक समझौते के तहत न्यूजीलैंड के 95 प्रतिशत निर्यात पर टैक्स समाप्त और कम कर दिए गए हैं। 57 प्रतिशत वस्तुओं पर पहले ही दिन से कोई टैक्स नहीं लगेगा और जैसे-जैसे समझौता लागू होगा, यह बढ़कर 82 प्रतिशत तक हो जाएगा, जबकि शेष 13 प्रतिशत पर टैक्स में भारी कटौती की जाएगी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह समझौता न्यूजीलैंड के निर्यातकों को भारत में अपने उत्पाद बेचने में काफी मदद करेगा, जैसे कि मटन, ऊन, कोयला और वनस्पति उत्पाद, जिन पर टैक्स तुरंत खत्म कर दिया जाएगा। इसके अलावा, कीवी फ्रूट और सेब जैसे उत्पादों के लिए भी खास सुविधाएं दी गई हैं, जबकि मछली जैसे समुद्री उत्पादों पर 7 साल में टैक्स खत्म कर दिया जाएगा।

इस व्यापार समझौते में वित्तीय सेवाएं, ई-पेमेंट्स और फिनटेक (वित्तीय तकनीक) जैसे क्षेत्रों पर भी जोर दिया गया है। यह भारत और न्यूजीलैंड के बीच नए अवसरों को बढ़ावा देगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने सोमवार को फोन पर बात की और इस एफटीए समझौते की सफलता की घोषणा की। दोनों नेताओं ने अगले 5 साल में व्यापार को दोगुना करने और अगले 15 वर्षों में न्यूजीलैंड से भारत में 20 अरब डॉलर का निवेश आने का लक्ष्य रखा।

इस समझौते से दोनों देशों के बीच व्यापार में वृद्धि होगी। कृषि, एमएसएमई, शिक्षा और खेल जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के नागरिकों को नए अवसर मिलेंगे। दोनों देशों ने इस समझौते के जरिए मजबूत आर्थिक संबंध बनाने का वादा किया है। इस समझौते में खेल, शिक्षा और लोगों के बीच संबंध को भी मजबूत किया जाएगा, जिससे नए मौके मिलेंगे। साथ ही यह समझौता न्यूजीलैंड के निर्यात को दोगुना करने में मदद करेगा।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने सोशल मीडिया (एक्स) पर कहा कि हमने भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता संपन्न कर लिया है। इससे न्यूजीलैंड के किसानों, उत्पादकों और व्यवसायों के लिए नए अवसर खुलेंगे, निर्यात को बढ़ावा मिलेगा, रोजगार सृजित होंगे और आय में वृद्धि होगी, जिससे सभी न्यूजीलैंडवासियों को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया पर लिखा, ₹पीएम नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के मार्गदर्शन में संपन्न हुए भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) ने हमारी साझेदारी को तीव्र विकास पथ पर अग्रसर किया है। इससे व्यापार, निवेश और विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग को निश्चित रूप से बढ़ावा मिलेगा।

नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया और राहुल गांधी नोटिस जारी, ईडी ने दायर की थी अर्जी

नई दिल्ली : नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया गांधी और राहुल गांधी को दिल्ली हाई कोर्ट ने नोटिस जारी किया है। अदालत ने इस मामले में कांग्रेस के दोनों नेताओं से जवाब मांगा है। प्रवर्तन निदेशालय की उस अर्जी पर यह नोटिस जारी किया गया है, जिसमें एजेंसी ने ट्रायल कोर्ट की तरफ से मनी लॉन्ड्रिंग केस को खारिज कर दिया गया था। ट्रायल कोर्ट ने कहा था कि इस मामले में पहले ही दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा जांच कर रही है। इसलिए इस मामले में अब मनी लॉन्ड्रिंग के तहत केस आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। इसी फैसले को चुनौती देते हुए ईडी ने हाई कोर्ट का रुख किया था, जिस पर बेंच ने सोनिया और राहुल गांधी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

इस केस की अगली सुनवाई अब मार्च 2026 में होगी। इस मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने गांधी परिवार को बड़ी राहत दी थी। जज का कहना था कि यह मामला मनी लॉन्ड्रिंग के तहत दर्ज नहीं किया जा सकता क्योंकि इसकी शुरूआत सुब्रमण्यन स्वामी की ओर से सीधे अदालत में दी गई अर्जी के बाद दर्ज हुआ था। इस केस में ऐसा कुछ नहीं था कि आर्थिक गड़बड़ी पकड़ी गई है और उसके बाद एफआईआर दर्ज की गई है। ऐसे में दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा की ओर से जांच के मामले में कार्रवाई पूरी होने देना चाहिए।

अदालत के इस फैसले के बाद कांग्रेस आक्रामक मोड में आ गई है। पार्टी का कहना है कि कोर्ट ने सरकार की बदले की राजनीति का पदार्फाश कर दिया है। ईडी को सरकार उत्पीड़न का जरिया बनाती रही है, जिस पर अदालत ने रोक लगाई है। अब इस मामले में अगली सुनवाई के लिए मार्च 2026 तक इंतजार करना होगा। बता दें कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी से इस केस में पूछताछ भी की जा चुकी है।

मुंबई जा रही विमान तकनीकी खराबी के कारण दिल्ली लौटी, सभी यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली : दिल्ली से मुंबई जा रही एयर इंडिया की उड़ान एआई887 में तकनीकी समस्या आने के बाद विमान को दिल्ली एयरपोर्ट पर वापस उतारना पड़ा। उड़ान ने सोमवार को दिल्ली से टेक-ऑफ किया था, लेकिन कुछ ही देर बाद तकनीकी गड़बड़ी के संकेत मिलने पर फ्लाइट क्रू ने स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) के तहत एहतियातन वापस लौटने का फैसला लिया। जानकारी के अनुसार, विमान सुरक्षित रूप से दिल्ली एयरपोर्ट पर उतारा गया और सभी यात्री व क्रू सदस्य सुरक्षित बाहर निकाल लिए गए। यात्रियों को हुई इस असुविधा के लिए एयर इंडिया ने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि स्थिति पूरी तरह अप्रत्याशित थी, लेकिन यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा कंपनी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। विमान की वापस लैंडिंग के बाद तकनीकी जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और इंजीनियरिंग टीम आवश्यक निरीक्षण में जुटी हुई है।

विमान की लैंडिंग के बाद ग्राउंड स्टाफ ने दिल्ली में यात्रियों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराई है। साथ ही, यात्रियों को मुंबई भेजने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं की गई हैं। एयर इंडिया का कहना है कि यात्रियों और क्रू की सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

विमान की लैंडिंग को लेकर एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर के तहत 22 दिसंबर को दिल्ली से मुंबई जाने वाली फ्लाइट एई887 के क्रू ने टेक्निकल दिक्कत के कारण टेक-ऑफ के तुरंत बाद दिल्ली लौटने का फैसला किया। दिल्ली में विमान सुरक्षित लैंड कर गया है। साथ ही, यात्रियों और क्रू को विमान से उतार लिया गया है।

प्रवक्ता ने आगे कहा कि एयर इंडिया इस अप्रत्याशित स्थिति के कारण हुई असुविधा के लिए ईमानदारी से माफी मांगती है। विमान की जरूरी जांच की जा रही है। दिल्ली में हमारी ग्राउंड टीम यात्रियों को तुरंत मदद दे रही है और उन्हें जल्द ही उनके डेस्टिनेशन तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक इंतजाम किए गए हैं। एयर इंडिया में, हमारे यात्रियों और क्रू की सुरक्षा और भलाई हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में चतरा जिला राज्य में प्रथम

उपायुक्त के नेतृत्व, सटीक रणनीति एवं जमीनी क्रियान्वयन से संभव हुई उपलब्धि

एजेंसी

चतरा : मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सशक्त बनाने की दिशा में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में चतरा जिला ने राज्य स्तर पर एक नई पहचान स्थापित की है।वित्तीय वर्ष 2025झ26 के लिए जिले को 6448 लाभुकों का लक्ष्य प्राप्त हुआ था। प्रारंभिक चरण में सितंबरझ2025 तक मात्र 868 लाभुक (16.25%) योजना से जुड़ पाए थे, जिसके कारण जिला राज्य रैंकिंग में 24वें पायदान पर था। यह स्थिति प्रशासन के लिए एक चुनौती थी।इस चुनौती को अवसर में बदलते हुए उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री जी ने आईसीडीएस विभाग की समीक्षात्मक बैठक में स्पष्ट, व्यवहारिक एवं परिणामोन्मुख दिशाझनिर्देश दिए। उनके नेतृत्व में योजना के व्यापक प्रचारझप्रसार, पंचायतवार विशेष कैम्प आयोजन तथा छुटे हुए पात्र लाभुकों की शत-प्रतिशत पहचान पर विशेष बल दिया गया।उपायुक्त के मार्गदर्शन में अगस्तझ2025 से निरंतर पंचायतवार कैम्प आयोजित किए गए। इन कैम्पों में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का त्वरित एवं त्रुटिरहित पंजीकरण ढटटश पोर्टल पर सुनिश्चित किया गया। इसका सकारात्मक परिणाम यह रहा कि अल्प समय में 4166 लाभुक (64.57%) योजना से आच्छादित किए गए और चतरा जिला राज्य स्तर पर प्रथम पायदान (फ्ल्ल'झ01) पर पहुंच गया।उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री जी ने कहा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना केवल एक आर्थिक सहायता योजना नहीं, बल्कि माताओं और आने वाली पीढ़ी के सुरक्षित भविष्य की नींव है। प्रशासन की जिम्मेदारी है कि कोई भी पात्र महिला वंचित न रहे। टीमवर्क, निरंतर मॉनिटरिंग और फील्ड स्तर पर समर्पित प्रयासों के कारण चतरा जिला आज राज्य में अग्रणी बन सका है। यह उपलब्धि पूरे जिले की है।वहीं जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने कहा उपायुक्त के स्पष्ट निर्देशन एवं सतत समीक्षा के कारण क्ळउऊ तंत्र पूरी सक्रियता से कार्य कर सका। आंगनबाड़ी सेविकाओं, पर्यवेक्षिकाओं एवं प्रखंड स्तरीय टीम के सामूहिक प्रयास से यह उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है। हमारा लक्ष्य अब शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करना है।प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में चतरा जिले की यह उपलब्धि दशार्ती है कि दूरदर्शी नेतृत्व, मजबूत प्रशासनिक इच्छाशक्ति और जमीनी स्तर पर सक्रियता के माध्यम से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

खूंटी में तीसरी जिला कराटे चैंपियनशिप 2025 का भव्य आयोजन

500 प्रतिभागियों ने दिखाई प्रतिभा

संवाददाता

खूंटी : कराटे एसोसिएशन खूंटी द्वारा आयोजित तीसरी जिला कराटे चैंपियनशिप 2025 का भव्य आयोजन शहर के नगर भवन में संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न संस्थानों से लगभग 500 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपना हुनर दिखाया। प्रतियोगिता में कराटे की कुमिटे (स्पैरिंग) और काता (फॉर्म) सहित विभिन्न आयु वर्गों की श्रेणियों में मुकाबले हुए। मुख्य उद्देश्य युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देना और कराटे के क्षेत्र में नई प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करना था। सभी खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट तकनीक, शारीरिक क्षमता और अनुशासन का प्रदर्शन किया, जिसे दर्शकों एवं प्रशिक्षकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला खेल पदाधिकारी राजेश कुमार चौधरी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ₹खेल से अनुशासन आता है और अनुशासन से ही इंसान सफलता प्राप्त करता है।₹ उन्होंने इस तरह के आयोजनों को युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। पुरस्कार वितरण समारोह में विभिन्न वर्गों के विजेताओं को ट्रॉफी, पदक एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कराटे एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय कुमार ने मुख्य अतिथि का फूल गुच्छ व मोमेंटो देकर स्वागत किया। इस अवसर पर संघ के सचिव रोहित राज, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कृष्ण मोहन कुमार, उपाध्यक्ष संजय कुमार साहू, संयुक्त सचिव बेनेडिक्ट बारला, कोषाध्यक्ष सुमंती गुड़िया सहित कार्यकारी सदस्य ममता हंगमा सुभा, अमर बारला, फ्रांसिस जेवियर बोदरा, गॉडविन टोपनो, प्रकाश कुमार राम, अमित कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे। इस चैंपियनशिप के माध्यम से जिले के युवा खिलाड़ियों ने न केवल अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, बल्कि राज्य व राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए भी आत्मविश्वास हासिल किया। संघ ने भविष्य में इसी तरह के और आयोजन कर खेल को बढ़ावा देने का संकल्प दोहराया।

अभाविप की चतरा इकाई ने गढ़वा में आयोजित 26वीं प्रांत अधिवेशन के पोस्टर का किया भव्य विमोचन

संवाददाता

चतरा: अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) चतरा इकाई के द्वारा स्थानीय अभाविप कार्यालय, गोरक्षणी परिसर चतरा में आगामी 26वीं प्रांत अधिवेशन, गढ़वा (दिनांक 26 से 28 दिसंबर 2025) के पोस्टर का भव्य एवं विधिवत विमोचन किया गया। यह अधिवेशन प्रदेश भर से आने वाले छात्र-छात्राओं, कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों के लिए संगठनात्मक दिशा निर्धारण एवं वैचारिक मंथन का एक महत्वपूर्ण मंच होगा।

पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में उपस्थित प्रदेश सह मंत्री रोहित पांडे ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद राष्ट्रवादी विचारधारा पर आधारित विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है, जो शिक्षा, छात्रहित एवं राष्ट्रनिर्माण के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रांत अधिवेशन संगठन की कार्यप्रणाली की समीक्षा, भावी योजनाओं की रूपरेखा तथा सामाजिक दायित्वों को सुदृढ़ करने का अवसर प्रदान करता है।

वहीं प्रदेश खेलो भारत सह प्रमुख मुन्ना यदुवंशी ने कहा कि विद्यार्थी परिषद शिक्षा के साथ-साथ खेल, स्वास्थ्य एवं चरित्र निर्माण को भी समान महत्व देती है। ह्लखेलो भारतह्व जैसे आयामों के माध्यम से युवाओं को अनुशासन, नेतृत्व एवं टीम भावना से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने अधिक से अधिक युवाओं से अधिवेशन में सहभागिता करने का आह्वान किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला संयोजक रौनक सिंह ने कहा कि चतरा जिले के लिए यह गर्व का विषय है कि जिले के कार्यकर्ता प्रांत स्तर के कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिवेशन से संगठनात्मक मजबूती के साथ-साथ समाज एवं राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व की भावना को नई दिशा मिलेगी।वहीं नगर मंत्री अनुराग आर्य ने कहा कि आगामी प्रांत अधिवेशन छात्र-छात्राओं के समक्ष समकालीन शिक्षा नीति, रोजगार, सामाजिक सरोकार एवं राष्ट्रहित जैसे विषयों पर गंभीर विचार-विमर्श का अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने सभी कार्यकताओं से अधिवेशन की तैयारी में जुटने का आह्वान किया।इस अवसर पर अभाविप के कई वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने एकजुट होकर प्रांत अधिवेशन को ऐतिहासिक एवं सफल बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन ह्लज्ञान-शील-एकताह्व के मूल मंत्र के साथ किया गया।

लोजपा नेता को धमकी मामले ने पकड़ा तुल चतरा विधायक ने कहा,

चुनौती को गंभीरता से ले सरकार और प्रशासन : विधायक

अपराधियों की खुली चुनौती से लोकतंत्र कमजोर हो रही है

संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज निवासी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता सह , समाजसेवी और पूर्व मुखिया प्रेमचंद सिंह उर्फ प्रेम सिंह को गैंगस्टर प्रिंस खान द्वारा जान से मारने की खुली धमकी देने के बाद मामला तुल पकड़ता नजर आ रहा। गैंगस्टर प्रिंस खान की धमकी का मामला सामने आने के बाद चतरा से लोजपा (आर)विधायक जनार्दन पासवान का भी बयान सामने आया है। श्री पासवान ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि व्यवसायी सह लोजपा नेता को खुली धमकी देना प्रशासन और सरकार के लिए खुली चुनौती है। श्री पासवान ने आशंका जताई कि अन्य व्यवसायियों को भी धमकी दी गई होगी लेकिन किन्ही का ब्यान सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा कि अपराधियों की खुली चुनौती से लोकतंत्र कमजोर हो रही है, सरकार और प्रशासन को जल्द से जल्द छानबीन करनी चाहिए। ताकि इस तरह के पनप रहे अपराधियों पर अंकुश लगाया जा

क्या है मामला

ज्ञात हो कि 11 दिसंबर को व्यवसाई प्रेम सिंह के व्हाट्सएप नंबर पर अज्ञात नंबर से ऑडियो क्लिप तथा फोन कॉल कर दो करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई थी। ऑडियो क्लिप में रंगदारी नहीं देने पर खोपड़ी खोल देने और हत्या कराने की खुली धमकी दी गई थी। प्रेम सिंह के अनुसार, धमकी देने वाले शख्स ने खुद को गैंगस्टर प्रिंस खान बताते हुए दुबई से कॉल करने की बात कही है। व्हाट्सएप पर ऑडियो क्लिप भेजने के साथ-साथ कॉल के जरिए भी धमकी दी गई है।जिले में लोजपा नेता समाजसेवी सह व्यवसाय के क्षेत्र में प्रेम सिंह का बड़ा नाम है। धमकी मिलने के बाद पिंडरा निवासी प्रेम सिंह ने हंटरगंज थाना में लिखित आवेदन देकर ऑडियो क्लिप एवं कॉल के आधार पर आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थीं। एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी पुलिसिया कार्रवाई में सुस्ती पर गंभीर सवाल खड़ा हो रहे हैं, घटना घटी तो जिम्मेदार कौन

राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट की बैठक संपन्न, हिंदू राष्ट्र के संकल्प को दोहराया

Rashtriya Hindu Front

संवाददाता

खूंटी : जिले के अमरेश्वर धाम में राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट की एक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में संगठन के कार्यकताओं ने मंगलवार की आरती को बढ़ावा देने, सनातन धर्म की रक्षा व प्रसार के साथ-साथ संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। बैठक में संगठन को सशक्त बनाने के लिए शीघ्र टीम गठन पर सहमति बनी। प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम पांडे ने बताया कि राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट ₹मिशन हिंदू राष्ट्र₹, मंगलवार की आरती और जनसंख्या कानून बनाने के संकल्प के साथ पूरे देश में कार्य कर रहा है। बैठक से पूर्व जमशेदपुर से पधारे प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम पांडे ने अमरेश्वर धाम में पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री मनोज कुमार, जिला अध्यक्ष अनूप साहू और जिला संयोजक ज्योतिष भगत ने संयुक्त रूप से पांडे जी का अंगवस्त्र व धाम का स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। इस कार्यक्रम में सूचना प्रमुख राजू शर्मा, राजू गुप्ता, विजय घोष, दीपक तिग्गा, बप्पी दास, कवि चौधरी, सत्यजीत कुंडू, अजित रॉय, नीरज जायसवाल, अरुण दुबे, सौरभ दुबे, अंकित गुप्ता, मनीष महतो, लव चौधरी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

द्वितीय विश्व ध्यान दिवस पर ध्यान अभ्यास कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

चतरा : द्वितीय विश्व ध्यान दिवस 21 दिसंबर 2025 के अवसर पर दि आर्ट ऑफ लिविंग व्यक्ति विकास केंद्र, भारत के रांची चैप्टर के तहत संचालित चतरा सेंटर के तत्वावधान में वरीय प्रशिक्षक दीपक कुमार के नेतृत्व में विभिन्न स्थानों पर ध्यान अभ्यास कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।विश्व ध्यान दिवस की पूर्व संध्या पर प्रशिक्षक श्री दीपक कुमार के नेतृत्व में 20 दिसंबर को स्थानीय मॉडल कॉलेज, चतरा व ग्रामोदय चेतना केंद्र, चतरा में पंचकोष ध्यान अभ्यास सत्र आयोजित किये गए। ग्रामोदय चेतना केंद्र में अध्ययनरत 55 किशोरी बालिकाओं सहित कुल 60 लोगों ने व मॉडल कॉलेज में 35 विद्यार्थियों सहित कुल 44 की संख्या में लोगों ने पंचकोष ध्यान का अभ्यास किया।

जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ. मनीष दयाल अपने कर्मियों व बच्चों सहित शामिल हुए।केंद्र की संचालिका सबिता बनर्जी ने उक्त कार्यक्रम को केंद्र में अध्ययनरत किशोरी बालिकाओं के शैक्षणिक, भावनात्मक व सामाजिक पुनर्वास में सकारात्मक रूप से प्रभावी व तनाव सहित अनेक मनोशारीरिक विकारों के प्रबंधन में बेहद उपयोगी बताया।प्राचार्य डॉ प्रो मनीष दयाल ने अपने सम्बोधन में विद्यार्थियों व जनसामान्य लोगों के तनाव प्रबंधन, मनोशारीरिक रोगों से निबटने, नशा मुक्ति व याददाश्त व कार्यक्षमता में सकारात्मक सुधार व बेहतर अंतर वैयक्तिक संबंधों व समझ हेतु नियमित तौर पर ध्यानमय जीवनशैली को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रमों के सफल संचालन में लिविंग की प्रशिक्षिका श्रीमती रेणु रीना व सदस्य सर्व श्री अमित कुमार, विमल दांगी, माधवी गुप्ता व वैजन्ती कुमारी का अत्यंत सराहनीय योगदान रहा।विश्व ध्यान दिवस कार्यक्रमों की शुरूआत आर्ट ऑफ लिविंग के सदस्यों ने लगभग 35 की संख्या में अपने गंदौरी मंदिर स्थित केंद्र पर ध्यान अभ्यास सत्र में भाग लेकर किया। इसका नेतृत्व प्रशिक्षक विकाश कुमार स्नेही ने किया जिसमें मुख्य रूप से बिपिन जायसवाल, शोभा देवी, कविता फूलवंती, चंद्रशेखर गुप्ता, माधवी गुप्ता, चन्द्रदेव प्रसाद, सरोज कुमारी व निकीश जायसवाल शामिल थे। द्वितीय विश्व ध्यान दिवस पर कारा एवं सुधारात्मक सेवाएं निरीक्षणालय, झारखण्ड सरकार एवं दि आर्ट ऑफ लिविंग, प्रिजन प्रोग्राम, झारखण्ड के संयुक्त तत्वावधान में मण्डल कारा, चतरा में संसीमित बंदियों के लिए विशेष ध्यान सत्र का आयोजन किया गया।पुरुष वार्ड में प्रशिक्षक दीपक कुमार के नेतृत्व में कुल 141 संसीमित पुरुष बंदियों व 8 कारा कर्मियों सहित कुल 149 लोगों ने भाग लेकर पंचकोष ध्यान का अभ्यास किया जिसमें लिविंग के वालंटियर्स श्री अमित कुमार व विमल दांगी का सराहनीय सहयोग रहा। महिला वार्ड में प्रशिक्षिका श्रीमती रेणु रीना ने लिविंग की वालंटियर श्रीमती वैजन्ती कुमारी के सहयोग से 11 महिला संसीमित बंदियों को ध्यान का अभ्यास कराया।

कार्यक्रम के अंत में बंदियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा इससे उन्हें आश्चर्यजनक रूप से तनाव से काफी राहत महसूस हुई व मन में अपूर्व शांति व सुकून का अनुभव हुआ।कार्यक्रम के सुचारु संपादन में काराधीक्षक मेनसन बरवा, राकेश कुमार सिन्हा व सतीश कुमार दास सहित सम्पूर्ण कारा परिवार का अत्यंत सक्रिय सहयोग रहा।

न्यूज IN ब्रीफ

पिकअप वाहन पलटने से युवा गंभीर रूप से घायल

खूंटी : रविवार दोपहर खूंटी कोलेबिरा स्टेट हाईवे तीन पर एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन के पलटने से एक युवा गंभीर रूप से घायल हो गया। यह दुर्घटना तोरपा थाना क्षेत्र के कारो नदी पुलिया के पास दोपहर 12 बजे हुई। जानकारी के अनुसार, पिकअप वाहन अम्मा पकना से किनशु पैरा गांव लौट रहा था। तेज रफ्तार के कारण वाहन नियंत्रण से बाहर होकर पलट गया। दुर्घटना में वाहन के चारों पहिए ऊपर की ओर हो गए और डेक पर लदा साउंड सिस्टम व जनरेटर सड़क पर बिखर गया। दुर्घटना में पैरा किनशू गांव के 16 वर्षीय अभिषेक भेंगरा गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना स्थल पर पहुंचे स्थानीय निवासियों और राहगीरों ने वाहन से तीनों लोगों को बाहर निकाला। घायल अभिषेक को तोरपा रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। वाहन में सवार अन्य दो लोग सुरक्षित बच गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही तोरपा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जेसीबी की मदद से दुर्घटनाग्रस्त वाहन को सड़क से हटवाया। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

शंकर साबू ने कोलकाता मैराथन में रचा इतिहास

खूंटी : टाटा स्टील द्वारा कोलकाता में आयोजित 25 किलोमीटर की प्रतिष्ठित मैराथन में खूंटी जिले के मुरहू निवासी शंकर साबू ने इतिहास रच दिया है। इस मैराथन में कुल 23,000 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। शंकर साबू ने अपने बचपन के मित्र बैंगलोर निवासी समीर गुप्ता एवं उनकी पत्नी पल्लवी के साथ मिलकर 25 किलोमीटर की इस दौड़ को सफलतापूर्वक पूरा कर क्षेत्र का मान बढ़ाया। शंकर साबू स्वर्गीय संवार मल साबू के सुपुत्र हैं। इस जोड़ी ने इस सफलता के साथ ही अपने जीवन की 50वीं मैराथन पूरी कर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है। दोनों मित्रों ने देश में अब तक अधिकतर प्रमुख मैराथन दौड़ों में हिस्सा लिया है। इससे पहले उन्होंने हैदराबाद में 45 किलोमीटर की दौड़ भी पूरी की थी।

शंकर साबू की फिटनेस के प्रति लगन का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वह अक्सर रांची से लगभग 60 किलोमीटर की दूरी साइकिल से चलकर अपने पैतृक गांव मुरहू आते हैं। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर मुरहू के स्थानीय नागरिकों, खेल प्रेमियों एवं उनके बड़े भाई अरुण कुमार साबू ने हार्दिक बधाई दी है। अरुण कुमार ने कहा कि यह उपलब्धि पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है और यह युवाओं को खेल, स्वास्थ्य एवं अनुशासन के प्रति नई प्रेरणा देगी।

इटखोरी के पीतीज में सप्तशक्ति संगम का भव्य एवं प्रेरणादायी आयोजन

चतरा : इटखोरी प्रखंड के पीतीज पंचायत भवन में चतरा के इंदुमती टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर के बैनर तले प्रांतीय योजना के अंतर्गत नारी शक्ति विषय पर ह्यसप्तशक्ति संगमह्ण का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि गांधीरया पंचायत की मुखिया कुमारी अनीता यादव, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर जपला की आचार्या हर्षदा चौबे, विद्यालय की कन्या भारती प्रमुख आचार्या ज्योति शरण तथा सप्तशक्ति की जिला सह संयोजिका रवि प्रभा द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। आचार्या अमृता सिंह ने मंचासीन अतिथियों का परिचय कराया। प्रस्तावना में आचार्या ज्योति शरण ने कहा कि भारतीय नारी केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र की चेतना है। नारी में निहित सप्त गुण–कीर्ति, श्री, धन, वाणी, स्मृति, धैर्य और क्षमा–के जागरण से समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। सह संयोजिका रवि प्रभा ने कुटुंब प्रबोधन एवं पर्यावरण संरक्षण पर विचार रखते हुए बताया कि यह आयोजन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में 5 अक्टूबर से 23 जनवरी तक चल रहा है, जिसका उद्देश्य नारी की भीतर निहित शक्ति को जागृत करना है।अध्यक्षीय संबोधन में कुमारी अनीता यादव ने कहा कि देश के विकास में महिलाओं की भूमिका सर्वोपरि है और शिक्षित माताएं ही सशक्त समाज व राष्ट्र का निर्माण करती हैं। आचार्या हर्षदा चौबे ने माताओं से बच्चों में संस्कार भरने तथा बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में आचार्या नीलम पांडेय द्वारा प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई तथा संयुक्त परिवार की परंपरा निभाने वाली माता शांति देवी एवं संघर्षपूर्ण जीवन में बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने वाली माता राधा देवी को सम्मानित किया गया।सप्तशक्ति संगम की अंतिम कड़ी में आचार्या ज्योति आर्य द्वारा उपस्थित सभी माताओं को संकल्प दिलाया गया।इस सप्तशक्ति संगम में 210 से अधिक महिलाओं सहित विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव संजय सिन्हा, प्रधानाचार्य रमेश कुमार सिंह, वरीय आचार्य राजेश कुमार सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। अंत में आचार्या अंजू कुमारी ने आभार ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन शिवानी कुमारी ने किया।

ठेकेदार की लापरवाही ने ली मासूम की जान

चतरा : जिले के प्रतापपुर प्रखंड में विकास की सड़क मासूम के खून से रंग गई है। टंडवा पंचायत के अस्नाही गांव में शनिवार शाम सड़क निर्माण के दौरान ठेकेदार की घोर लापरवाही ने एक परिवार को उजाड़ दिया। बरातपुर मोड़ से गजवा तक बन रही सड़क पर बिहार (इमामगंज) के ठेकेदार जितेंद्र सिंह द्वारा विशाल पीपल का पेड़ कटवाया जा रहा था। पेड़ का भारी डाढ़ बिजली के तारों पर गिरा, जिससे करीब 50 कदम दूर स्थित पोल उखड़कर सीधे रिंकू देवी और उनके 3 वर्षीय पुत्र पर गिर गया। हादसे में मासूम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मां के दोनों पैर टूट गए हैं।अब सवाल यह है कि क्या बिना वन विभाग की एनओसी के पेड़ काटा जा रहा था? इधर, प्रतापपुर थाना प्रभारी आलोक रंजन चौधरी दलबल के साथ गांव में डटे हुए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक ग्रामीण पोस्टमार्टम के लिए तैयार नहीं होते और लिखित आवेदन नहीं मिलता, तब तक दोषियों पर कानूनी कार्रवाई और मुआवजे की प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकेगी। फिलहाल, पुलिस परिजनों को समझाने और मामले की जांच में जुटी है।

तीन दिवसीय रोटरी डिस्ट्रिक्ट कॉन्फ्रेंस समागम संपन्न

भारत का पहला फैटी लिवर मुक्त शहर बनेगा रांची : संजय सेठ

मेट्रो रेज

We Welcome
Shri Sanjay Set
Rotary

रांची: रोटरी क्लब रांची के तत्वावधान में रांची क्लब परिसर में चल रहे तीन दिवसीय रोटरी डिस्ट्रिक्ट कॉन्फ्रेंस ह्लसमागमह्व का समापन रविवार को हुआ।

अंतिम दिन कार्यक्रम की शुरूआत प्रेसिडेंट इलेक्ट ललित त्रिपाठी ने की। उन्होंने अपने संबोधन में दूसरे दिन के सत्र की समीक्षा करते हुए रोटरी द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की प्रगति और भावी योजनाओं पर चर्चा की। कहा कि रोटरी समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

अंतिम दिन कार्यक्रम के मुख्य वक्ता केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि रांची को भारत का पहला फैटी लिवर मुक्त शहर बनाने की दिशा में ठोस पहल की जा रही है। इसी अभियान के तहत फैटी लिवर की जांच और जागरूकता के लिए छह करोड़ रुपये की लागत से चार अत्याधुनिक मोबाइल वैन रोटरी को शीघ्र देंगे। ये वैन रांची शहर के विभिन्न इलाकों के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों की स्क्रीनिंग करेगी। उन्होंने कहा कि बीमारी से लड़ने का सबसे प्रभावी तरीका है उसकी समय पर पहचान। यह अभियान केवल इलाज का नहीं, बल्कि जन-जागरूकता का अभियान है, जिसमें रोटरी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी।

संजय सेठ ने रोटरी के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि समाजसेवा के क्षेत्र में रोटरी का सफरनामा प्रेरणादायी और अनुकरणीय रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में रोटरी ने जो कार्य किए हैं, वे समाज के लिए मील का पत्थर साबित हुए हैं। उन्होंने कहा कि रोटरी केवल सेवा नहीं करती, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव की नींव रखती है।

महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए संजय सेठ ने बताया कि रोटरी के माध्यम से तीन करोड़ रुपये की सिलाई मशीनें अगले माह महिला स्वयं सहायता समूहों को प्रदान की जाएंगी। इससे हजारों महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने में मदद मिलेगी। वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकेंगी। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं मजबूत होती हैं, तो परिवार और समाज दोनों सशक्त होते हैं।

सत्र के तीसरे दिन रविवार को काउंसिल ऑफ लेजिस्लेशन के चुनाव में सत्र 2026-29 पीडीजी जोगेश गंभीर एवं सत्र 2028 - 29 के गवर्नर डॉ अजय कुमार इलेक्ट हुए। चुनाव प्रक्रिया इलेक्शन ऑब्जर्वर पीडीजी दीपक कुमार, चेयरमैन पीडीजी राकेश प्रसाद, पीडीजी शिवप्रकाश बागड़िया, बैलेटिंग कमेटी चेयरमैन पीडीजी डॉ. बिंदु सिंह की देखरेख में संपन्न हुआ। पूरे चुनावी प्रक्रिया का संचालन डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नम्रता की देखरेख में हुआ। कार्यक्रम का संचालन शाहिद पॉल एवं अजय छाबड़ा ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रोटरी सदस्य, पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है : कांग्रेस

संवाददाता

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता के बयानों को आधारहीन और राजनीति से प्रेरित बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा अपनी केंद्र सरकार की विफलताओं और झारखंड के प्रति सौतेले व्यवहार को छिपाने के लिए अनर्गल प्रलाप कर रही है।

लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि जल जीवन मिशन को ऐतिहासिक बताने वाली भाजपा यह क्यों नहीं बताती कि केंद्र सरकार ने झारखंड के भौगोलिक परिवेश को नजरअंदाज कर अव्यवहारिक लक्ष्य तय किए। केंद्र सरकार ने केवल कागजों पर आंकड़ेबाजी की है, जबकि धरातल पर फंड रिलीज करने में हमेशा देरी की गई। हेमंत सरकार ने अपने सीमित संसाधनों के बावजूद जनता तक पानी पहुंचाने का हरसंभव प्रयास किया है।

भ्रष्टाचार के आरोपों पर पलटवार करते हुए लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए वह हर विकास कार्य में घोटाला शब्द जोड़ देती है। जहां तक गिरिडीह या किसी विशेष कंपनी का मामला है, राज्य सरकार की जांच एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं। अगर कहीं भी तकनीकी त्रुटि या गड़बड़ी पाई जाती है, तो हेमंत सरकार बिना किसी पक्षपात के कड़ी कार्रवाई करती है, भाजपा की तरह दोषियों को संरक्षण नहीं देती।

उन्होंने भाजपा प्रदेश प्रवक्ता के आंकड़ों को चुनौती देते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने झारखंड का हक मारा है। राज्य के करोड़ों रुपये का बकाया केंद्र दबाकर बैठी है। जल जीवन मिशन में भी फंड के आवंटन में भारी विसंगतियां हैं। भाजपा प्रवक्ता जनता को गुमराह न करें और बताएं कि केंद्र ने झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार क्यों किया?

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि राज्य सरकार पारदर्शी शासन में विश्वास रखती है। भाजपा स्पेशल ऑडिट की मांग कर रही है, लेकिन उन्हें पहले उन राज्यों का ऑडिट कराना चाहिए जहां भाजपा की डबल इंजन सरकारें जल जीवन मिशन में पूरी तरह फेल रही हैं। झारखंड में जो भी काम हुआ है, वह धरातल पर है और जनता उसका लाभ उठा रही है।

लाल किशोर नाथ शाहदेव ने अंत में कहा कि बालू, कोयला और पत्थर का राग अलापने वाली भाजपा यह भूल गई है कि राज्य की खनिज संपदा की लूट का इतिहास उनकी ही सरकारों में लिखा गया था। अब जब हेमंत सरकार जनहित की योजनाएं चला रही है, तो भाजपा नेता अपनी राजनीतिक जमीन खिसकते देख बौखलाहट में बेतुकी बयानबाजी कर रहे हैं।

विश्व ध्यान दिवस पर सेवा, साधना और संवेदना का दिखा संगम

रांची : विश्व ध्यान दिवस पर पुंदाग स्थित सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन आश्रम में रह रहे दिव्यांग एवं निराश्रितजनों के साथ आत्मिक शांति, मानसिक एकाग्रता और सकारात्मक ऊर्जा के संदेश के साथ मनाया गया।कार्यक्रम की शुरूआत प्रातःकाल पंडित अरविंद पांडे द्वारा कराए गए एकाग्र ध्यान से हुई। उन्होंने सरल एवं सहज विधि से उपस्थित सभी लोगों को ध्यान की प्रक्रिया करवाई, जिससे आश्रम में एक शांत, पवित्र और ऊर्जा से परिपूर्ण वातावरण बन गया। ध्यान सत्र के दौरान दिव्यांग एवं निराश्रितजनों ने पूरे मनोयोग से सहभागिता की और आत्मिक शांति का अनुभव किया। पंडित पांडे ने बताया कि नियमित ध्यान से मानसिक तनाव कम होता है, आत्मबल बढ़ता है तथा जीवन में संतुलन और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है।आश्रम में प्रतिदिन योगाभ्यास भी कराया जाता है, जिससे यहां निवास कर रहे लोगों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में निरंतर सुधार हो रहा है। योग और ध्यान को जीवन का अभिन्न अंग बनाकर आश्रम मानव सेवा के साथ-साथ आत्मिक उत्थान का भी महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है।इस अवसर पर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल एवं प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने विश्व ध्यान दिवस की महत्ता पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में ध्यान अत्यंत आवश्यक हो गया है। ध्यान न केवल मानसिक शांति प्रदान करता है, बल्कि व्यक्ति को स्वयं से जोड़ने का माध्यम भी बनता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक सोच और संवेदना को बढ़ावा देते हैं।कार्यक्रम का समापन सेवा, सद्भाव और मानव कल्याण के संकल्प के साथ हुआ। विश्व ध्यान दिवस पर आयोजित यह कार्यक्रम यह संदेश देता है कि ध्यान और सेवा के माध्यम से समाज के हर वर्ग के जीवन में शांति और आशा का संचार किया जा सकता है।

मुरी रेल पुलिस ने 46 किलो गंजा किया बरामद, तीन गिरफ्तार

मुरी : रेल पुलिस ने मुरी रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर 1 पर 2 लाख30 हजार रुपए मूल्य की 46 किलोगंजा बरामद की। तीन को गिरफ्तार कर भेज दिया। आरपीएफ थाना प्रभारी संजीव कुमार ने बताया कि प्लेटफॉर्म की जांच के दौरान प्लेटफार्म नंबर एक पर एक महिला एवं दो व्यक्ति सूटकेस लेकर खड़े थे। उन्हें पूछताछ करने पर हुए घबरा गए।कड़ी पूछताछ पर उन्होंने अपना नाम राजू राजभर पितास्वर्गीय शंभू राजभर जयप्रकाश राजभर पिता स्वर्गीय राजेंद्र राजभर पश्चिम बंगाल नदिया के मजदिया गांव एवं महिला नेअपना नाम बेबी रॉय पति अप्पू रॉय दक्षिण 24 परगना चोबागा बताया। तब उनके सूटकेस की तलाशी ली गई।जिसमें राजू राजभर के सूटकेस से 16 किलो वजन के दो पैकेट जयप्रकाश राजभर के सूटकेस से 16 किलो के दो पैकेट एवं बच्चे राय के सूटकेस से 14 किलो वजन के दो पैकेट गांजा बरामद किया गया। इसकी सूचना सहायक सुरक्षा आयुक्त आफ रांची को दी गई सूचना मिलते ही अशोक कुमार सिंह अधिकारी मुरी पहुंचे। पुछताछ में खुलासा हुआ कि यह गांजा अवैध परिवहन कर पार्वतीपुरम, आंध्र प्रदेश से अवैध रूप से लाया गया था।आरपीएफ रांची के निर्देश पर जब्त किए गए गांजे और मोबाइल फोन को मौके पर ही सील कर दिया गया और विधिवत जब्ती सूची तैयार की गई। मौके पर आरपीएफ पोस्ट मुरी के उप-निरीक्षक पवन कुमार द्वारा गवाहों की उपस्थिति में सामान को औपचारिक रूप से जब्त किया गया। इसके बाद, आरपीएफ फ्लाइंग टीम रांची के उप-निरीक्षक रवि शेखर द्वारा तीनों अभियुक्तों को जब्त गांजा, मोबाइल फोन और जब्ती सूची के साथ प्राथमिकी दर्ज करने हेतु जीआरपी मुरी के समक्ष पेश किया गया। तदनुसार, अभियुक्तों और अन्य अज्ञातों के विरुद्ध एनडीपीएस अधिनियमके तहत मामाला दर्ज किया।

चैंबर ऑफ कॉमर्स ने मंत्री और विधायकों के साथ की बैठक

नक्सल दौर से बाहर निकलता पलामू औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने की योजना

संवाददाता

रांची : नक्सल दौर से बाहर निकलते हुए पलामू के इलाके में औद्योगिक विकास की योजना तैयार की जा रही है. झारखंड गठन के बाद पलामू के इलाके में किसी भी प्रकार के नए उद्योग नहीं लगे हैं. फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का एक कॉन्क्लेव रविवार को पलामू में हुआ है. कॉन्क्लेव में झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, सांसद विष्णुदयाल राम, विधायक डॉ. शशिभूषण मेहता के अलावा राज्य के कई बड़े उद्योगपतियों ने भाग लिया.

इस कॉन्क्लेव में पलामू के इलाके में औद्योगिक विकास की संभावनाओं को तलाशा गया. वित्त मंत्री, सांसद और विधायकों की तरफ से उद्योगपतियों को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया गया है. कॉन्क्लेव की मेजबानी पलामू चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने की. पहले चरण में फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स की बैठक हुई, जिसमें झारखंड में औद्योगिक विकास को लेकर कई चचाएं हुईं.

दूसरे चरण में पलामू के इलाके में औद्योगिक विकास को लेकर चचाएं हुईं. कॉन्क्लेव में कहा गया कि झारखंड की स्थापना के 25 वर्ष हो गए हैं. पलामू का इलाका उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और बिहार से सटा हुआ है. नक्सली, बिजली, पानी और कनेक्टिविटी का हवाला देकर उद्योग का विकास नहीं हुआ है. इस इलाके में उद्योग की अपार संभावनाएं हैं.

पलामू चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आनंद शंकर ने मंत्री, जनप्रतिनिधि और फेडरेशन ऑफ झारखंड कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सदस्यों के सामने पलामू के इलाके में औद्योगिक विकास को लेकर बातें रखीं. आनंद शंकर ने कहा कि पलामू के इलाके में नक्सलवाद कमजोर होने के बाद हालात बदले हैं. पलामू के रेहला स्थित आदित्य बिरला ग्रुप के फैक्ट्री का संचालन अच्छे तरीके से किया जा रहा है. इस इलाके में औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएं हैं.

फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री के साथ कई मुद्दों पर बात हुई है. लोगों को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए पहल की जा रही है. पलामू के इलाके के लिए भी औद्योगिक विकास की संभावनाएं देखी जा रही है. कॉन्क्लेव और बैठक में जो बातें सामने आई हैं उसे सरकार के समक्ष रखा जाएगा.

सांसद खेल महोत्सव: फुटबॉल मैच ड्रॉ क्रिकेट में रांची महानगर की जीत

संवाददाता

रांची : सांसद खेल महोत्सव के तहत रविवार को रांची ग्रामीण भाजपा और रांची महानगर के बीच फुटबॉल एवं क्रिकेट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। फुटबॉल का मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और निर्धारित 90 मिनट का खेल 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। रांची ग्रामीण की ओर से सुप्रेश महतो ने गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई, वहीं रांची महानगर की ओर से संतोष कुमार ने गोल कर मैच को बराबरी पर ला खड़ा किया। वहीं, भाजपा रांची महानगर और रांची ग्रामीण के बीच क्रिकेट मैच भी खेला गया। उद्घाटन केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए रांची महानगर ने निर्धारित 12 ओवरों में 114 रन बनाए।

जवाब में रांची ग्रामीण की टीम महज 100 रनों पर सिमट गई। भाजपा महानगर ने 14 रनों से जीत दर्ज की। महानगर टीम का नेतृत्व अध्यक्ष वरुण साहू और ग्रामीण टीम का नेतृत्व धीरज महतो ने किया। खेल समाप्ति के बाद संजय सेठ ने प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट और मेडल वितरित किए। उन्होंने कहा, आधुनिक युग में खेल अनिवार्य हैं; ये हमें मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रखते हैं। कबड्डी में 25 टीमें दिखा रहीं दम इधर, महोत्सव के तहत मोरहाबादी स्थित मंदिर मैदान में कबड्डी प्रतियोगिता भी शुरू हुई। इसमें कुल 25 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनमें बालक वर्ग की 17 और महिला वर्ग की 8 टीमें शामिल हैं। प्रतियोगिता का आयोजन शिवेंद्र दुबे एवं परमेश्वर महतो के नेतृत्व में किया जा रहा है। सांसद खेल महोत्सव का भव्य समापन 25 दिसंबर को ओटीसी मैदान में होगा। इस दिन फुटबॉल, एथलेटिक्स, गुल्ली-डंडा, रस्साकसी और कबड्डी के फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। समापन समारोह के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रांची के खिलाड़ियों से ऑनलाइन संवाद करेंगे।

धना कुहासा से आम जनजीवन तबाह

मुरी : आज सुबह नौ बजे तक कुहासे के कारण लोग सामने के चीजों को स्पष्ट नहीं देख पा रहे थे। गाड़ी भी धीमी गति से चल रही थी। कुहासे देख लोग प्रभुल्लित भी हो रहे थे। इतने दिनों में आज सबसे ज्यादा कुहासा देखा गया। वैसे समान्य रुप से सुबह छ से साढ़े छ के बीच कुहासा देखा जा रहा था। कुहासे से किसानों के फुल गोभी और पत्ता गोभी अन्य दिनों से सस्ता बिक रही है।

मुरी में क्रिसमस गैदरिंग का आयोजन

मुरी : सरहुल बागान, मुरी के समीप रेलवे आदिवासी परिवार, मुरी शाखा एवं रांची मंडल, दक्षिण पूर्व रेलवे के तत्वावधान में क्रिसमस गैदरिंग का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि फादर अंसलेम कुजूर एवं विशिष्ट अतिथियों में , सरिता बोदरा, सिस्टर मिनाकी उपस्थित थे।यह डॉ. झरिया कच्छप के निर्देशन पर किया गया ।कार्यक्रम को फादर अंसलेम कुजूर ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रभु येशु मसीह सबके दिलों में रहते हैं। समस्त केवल ईसाइयों का त्योहार नहीं, बल्कि संपूर्ण मानव समाज के लिए प्रेम और उद्धार का पर्व है। उन्होंने प्रभु यीशु मसीह के जीवन के बारे में कहा कि उनका जीवन प्रेम, त्याग, सेवा और मानवता का संदेश देता है। मनुष्य को अपने जीवन के कठिन समय में भी अपने सृष्टिकर्ता को याद रखना चाहिए, क्योंकि ईश्वर और मनुष्य के संबंध का यही मुख्य लक्ष्य है।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे एम. एल. मांझी ने कहा कि प्रभु यीशु मसीह का जीवन और उनका संदेश प्रेम, क्षमा, सेवा और मानवता का प्रतीक है। प्रभु यीशु हमें सिखाते हैं कि समाज में जाति, धर्म और वर्ग से ऊपर उठकर एक-दूसरे से प्रेम करें, तथा जरूरतमंदों की सहायता करें।इस कार्यक्रम में एससी/एसटी एसोसिएशन के हटिया, रांची एवं मुरी), ऊर्सलाइन स्कूल मुरी, सरना समिति, सिल्ली, मोदीडीह, बड़ा मुरी, छोटा मुरी, अनगढ़ा, बुढ़मू, गोला , झालदा, चांडिल, लोहरदगा, रामगढ़, हटिया, रांची, बानो, पिस्का, नरकोपी, तुलीन, टाटा समेत रांची मंडल के विभिन्न सेक्शनों, विभागों एवं रेलवे कर्मचारी उपस्थित थे।कार्यक्रम का सफल संचालन निरंजन बाघवार एवं सुबोध मिंज द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

भारतीय जनता मजदूर संघ की झारखंड कमेटी का हुआ विस्तार

रांची : भारतीय जनता मजदूर संघ की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष डॉ अर्जुन चौधरी एवं मंच संचालन प्रदेश संगठन महामंत्री सुनील कुमार सिंह ने किया। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष शांत प्रकाजाटव जी के निर्देशानुसार प्रदेश अध्यक्ष डॉ अर्जुन चौधरी जी एवं प्रदेश संगठन महामंत्री सुनील कुमार सिंह की सक्रिय प्रयास से झारखंड में (बीजेएमएस) संगठन का किया गया विस्तार। जिसमें संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह, प्रदेश मंत्री सह चतरा, पलामू एवं लातेहार जिले के प्रभारी सुमन कुमार सिंह, रांची जिला अध्यक्ष राणा संजीव सिंह उर्फ राणा सिंह, उपाध्यक्ष मुकेश सिंह, विक्रम सिंह, मंत्री सुमित पाठक, महिला विंग उपाध्यक्ष रेणु दुबे, ममता चौहान, पलामू जिला उपाध्यक्ष सचित कुमार सिंह को बनाया गया है।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

बड़ी कंपनी के सामने केंद्र सरकार कैसे हो जाती है लाचार

देश में कोई ताकतवर कंपनी कैसे कानून का दावपेच इस्तेमाल करके सरकार को उसी के बनाए कानून के जाल में उलझा कर अपना उल्लू सीधा कर सकती है, इंडिगो एयरलाइंस विवाद इसका बड़ा उदाहरण है। इस एयरलांइस ने चार दिन तक हजारों यात्रियों को बंधक जैसी हालत में रखा। इसका फायदा दूसरी विमानन कंपनियों ने उठा कर जम कर चांदी कूटी। इस पूरी हालत के दौरान केंद्र सरकार तमाशबीन रही है। सरकार हवाई यात्रियों को हैरान–परेशान और लुटते हुए देखती रही। जब पानी सिर से गुजरने लगा तक सरकार को होश आया। आखिरकार सरकार को नियमों में छूट देकर एयरलाइंस कंपनी के समक्ष बैकफुट पर आने के लिए विवश होना पड़ा। सरकार ने यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर पायलटों के लिए बनाए गए कायदे–कानून कायदों में ढील देने का निर्णय लेना पड़ा। केंद्र सरकार ने फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) के नए नियम लागू किए थे। इन नियमों को जनवरी 2024 में लाया गया था। हालांकि, इन्हें अब जाकर पूरी तरह से लागू किया गया। इनमें पायलटों और क्रू मेंबर का ड्यूटी टाइम कर दिया गया है और आराम करने का समय बढ़ा दिया है। ऐसा पायलटों की थकान कम करने और सेफ्टी बढ़ाने के लिए किया गया है। एफडीटीएल के नए नियम तय करते हैं कि पायलट कितनी देर ड्यटी पर रह सकते हैं? कितने घंटे विमान उड़ा सकते हैं? रात में कितनी बार लैंडिंग कर सकते हैं? उन्हें कितना आराम मिलना चाहिए? कितनी बार नाइट ड्यूटी कर सकते हैं? नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इन नियमों को पिछली साल जनवरी में पेश किया था। इन्हें पिछले साल ही 31 मई से लागू किया जाना था। मगर एयरलाइन कंपनियों ने इसके लिए समय मांगा, जिसके बाद इन्हें टाल दिया गया। इसके बाद इन नियमों को इस साल दो फेज में लागू किया गया। इन नियमों का पहला फेज इस साल जुलाई में लागू किया गया। दूसरा फेज 1 नवंबर से लागू कर दिया गया। सवाल यह है कि जब नए नियम सभी एयरलाइन कंपनियों पर लागू होते हैं पर इसका सबसे ज्यादा असर इंडिगो पर ही क्यों दिखा? इसका जवाब है कि इंडिगो के पास पायलटों की कमी हो गई है। इंडिगो ने जानबूझ कर यह कमी की। अन्य एयरलाइंस कंपनियों की तरह इंडिगो के पास भी नए पायलटों की भर्ती के लिए पर्याप्त समय था, किन्तु कंपनी ने भारी आर्थिक भार को टालने के लिए भर्ती नहीं की। कंपनी ने बड़ी चालाकी से सरकार को उसी के बनाए नियमों में फांस कर इनमें ढील देने के लिए विवश कर दिया। इसके लिए कंपनी ने यात्रियों को मोहरा बनाया। यह जानते हुए भी कि कंपनी के पास पायलटों की कमी है, लगातार बुकिंग जारी रखी। फिर अचानक हाथ खड़े कर दिए। हजारों यात्रियों के फंसे होने से जब देश में हाहाकार मचा तो केंद्र सरकार को नए नियमों में ढील देने के लिए झुकना पड़ा। डीसीजीए ने कहा कि वर्तमान स्थिति को देखते हुए नियमों में ढील दी जा रही है। डीजीसीए ने उन नियमों में ढील दी है, जो अहमदाबाद फ्लाइट क्रैश के बाद लागू किए गए थे। साथ ही अभी क्राइसिस के समय पायलटों से मदद की अपील की डीजीसीए ने अब इंडिगो से एक डिटेल्ड रोडमैप जमा करने को कहा, जिसमें उससे क्रू की भर्ती, क्रू की ट्रेनिंग का प्लान, रोस्टर रिस्ट्रक्चरिंग और सेफ्टी रिस्क असेसमेंट का प्लान मांगा गया है। इसके साथ ही डीजीसीए ने इंडिगो को हर 15 दिन में एक प्रोग्रेस रिपोर्ट भी देने को कहा है। सरकार की ओर से केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने सफाई दी कि यह फैसला केवल यात्रियों के हित में लिया गया है, खासकर वरिष्ठ नागरिकों, छात्रों, मरीजों और जरूरी यात्रा करने वालों को राहत देने के लिए। मंत्रालय ने एयरलाइनों के साथ कम से कम छह महीने तक निरंतर संवाद भी किया। पहले इस नियम के बारे में कोई समस्या नहीं थी। एअर इंडिया और स्पाइसजेट जैसी अन्य एयरलाइन ने अपने संचालन को ढाल लिया। लेकिन जो हुआ वह इंडिगो की चालक दल (क्रू) के प्रबंधन की गड़बड़ी के कारण हुआ। नायडू ने कहा कि हमने सामान्य स्थिति सुनिश्चित करने के लिए इंडिगो को एफडीटीएल नियमों में कुछ छूट दी है। इंडिगो संकट के बीच सरकार द्वारा पायलटों के नए उड़ान ड्यूटी समय सीमा नियम (एफडीटीएल) को तत्काल प्रभाव से फिलहाल स्थगित करने के फैसले की पायलट संघ ने कड़ी आलोचना की है। एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने डीजीसीए को एक पत्र लिखते हुए कहा कि यह फैसला सुरक्षा से सीधा समझौता है। पायलटों की थकान से यात्रियों की जान खतरे में पड़ सकती है। एसोसिएशन के अनुसार, इंडिगो ने जानबूझकर यह संकट खड़ा किया, जिससे उसे नियमों में ढील मिल सके। इसलिए इंडिगो के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और एफडीटीएल के दूसरे चरण के नियमों को पूरी तरह लागू किए जाएं बिना किसी भी एयरलाइन को इसमें छूट दिए। एसोसिएशन ने इंडिगो प्रबंधन के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि रात्रिकालीन ड्यूटी से संबंधित मानदंडों में ढील से इंडिगो को अपने परिचालन को स्थिर करने में मदद मिलेगी, लेकिन यह छूट एक खतरनाक मिसाल कायम करेगी। डीजीसीए ने 25 नवंबर की बैठक में इस बात पर सहमति जताई थी कि किसी भी ऑपरेटर को, खासकर व्यावसायिक हितों से प्रेरित, कोई छूट या बदलाव नहीं दिया जाएगा। सभी ऑपरेटरों के पास नए एफडीटीएल को लागू करने के लिए लगभग दो साल का समय था, और वह भी दो चरणों में। इस पर्याप्त समय के बावजूद इंडिगो अपना रोस्टर तैयार करने में विफल रही और इसके बजाय एयरलाइन ने 2025 की सर्दियों के लिए अपने परिचालन को बढ़ा दिया। एसोसिएशन ने कहा कि ये घटनाएं गंभीर चिंताएं पैदा करती हैं कि सार्वजनिक असुविधा के बहाने व्यावसायिक लाभ के लिए सरकार पर दबाव डालने के लिए एक कृत्रिम संकट पैदा किया गया था। इंडिगो को चुनिंदा छूट देकर, डीजीसीए ने अन्य सभी ऑपरेटरों के लिए अपने परिचालन, वाणिज्यिक या समय-सारिणी संबंधी कारणों का हवाला देकर एफडीटीएल नागरिक उड्डयन आवश्यकता से समान छूट की मांग करने का रास्ता खोल दिया है। यह नागरिक उड्डयन आवश्यकता के मूल सिद्धांत और उद्देश्य को ही कमजोर करता है। एसोसिएशन ने मांग की है कि डीजीसीए इंडिगो को दी गई सभी छूट तुरंत वापस ले और एयरलाइन के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई शुरू करे। संघ के अनुसार, इंडिगो ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि उन्होंने अपनी परिचालन क्षमता का गलत आकलन किया था; फिर भी, जनता को भारी असुविधा पहुंचाने के लिए उन्हें फटकार लगाने या दंडित करने के बजाय, डीजीसीए ने उन्हें और छूट दे दी। इस कार्रवाई ने न केवल परिचालन कुप्रबंधन को बढ़ावा दिया है, बल्कि यात्रियों की जान को भी सीधे खतरे में डाल दिया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारी किरकिरी के बाद केंद्र सरकार इंडिगो के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के बजाए पूरे मामले की लीपापोती करने में लगी हुई है। होना तो यह चाहिए था कि इंडिगो प्रबंधन के खिलाफ देश में जानबूझ कर अराजकता फैलाने का मामला दर्ज करके गिरफ्तारी की जाती, ताकि दूसरी कंपनियों को मुनाफे के लिए ऐसी हरकत करने की चेतावनी मिल सके। इसके विपरीत केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने 10% उड़ानों में कटौती का आदेश देकर इंडिगो को बख्श दिया। नायडू ने कहा कि पिछले हफ्ते इंडिगो के क्रू रोस्टर, फ़्लाइट शेड्यूल और कम्युनिकेशन की कमी के कारण कई यात्रियों को बहुत परेशानी हुई। जांच और जरूरी कार्रवाई चल रही है।

देरी से शादियाँ और तलाक के बढ़ते मामले

> काकोरी कांड भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष का वह अध्याय है, जिसने सिद्ध कर दिया कि आजादी केवल याचिकाओं और प्रार्थनाओं से नहीं मिलेगी बल्कि उसके लिए साहस, संगठन और बलिदान की आवश्यकता होगी। यही कारण है कि काकोरी कांड में शामिल क्रांतिकारी केवल इतिहास के पात्र नहीं बल्कि क्रांति की नींव रखने वाले शूरवीर माने जाते हैं।

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

आधुनिकीकरण की आड़ में हिंदुओं ने पश्चिमी संस्कृति को अपना लिया है, जिससे उनकी अपनी संस्कृति कमजोर हो गई है। इसके परिणाम विनाशकारी हैं और अगर हिंदू अपनी सांस्कृतिक जड़ों की ओर वापस नहीं लौटते हैं तो तीन से चार पीढ़ियों में उनका और इस अद्भुत राष्ट्र का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। इसका सीधा-सा कारण हम देख रहे हैं कि देर से शादियाँ, तलाक की दरों में वृद्धि, एक या कोई बच्चा न होना और देरी से शादी के परिणामस्वरूप माता-पिता-बच्चों के रिश्तों में गिरावट आ रही है। यह पूरे हिंदू समुदाय के लिए बहुत चिंताजनक है। लड़कियों और लड़कों दोनों की पहले आर्थिक और भौतिक रूप से समृद्ध होने और फिर बाद में शादी करने की आकांक्षाएँ शादी और परिवार को एक अनुबंध का मामला बना रही हैं। किसी व्यक्ति के जीवन में सबसे बड़े मोड़ में से एक शादी है। यह न सिर्फ.दो लोगों को एक साथ लाता है, बल्कि परिवारों और किस्मत को भी जोड़ता है। यह ऐसा रिश्ता है जो अब बँटवारे और तबाही की घटना में बदल रही है। खासकर भारतीय हिंदू समुदाय में, जहाँ समय पर शादी को पारंपरिक रूप से महत्व दिया जाता है और यह वैज्ञानिक और स्वास्थ्य की दृष्टि से भी सही है, जब शादी को मनचाही उम्र से आगे टाला जाता है तो यह अक्सर चिंता का विषय बन जाता है।

दुनिया भर में शादी की म्र बढ़ गई है। आजकल, कई अमीर देशों में काफी संख्या में शादियाँ तीस साल की उम्र के बाद होती हैं। इस चलन के साथ-साथ शादी की दरें भी अक्सर गिर रही हैं, खासकर यूरोप जैसे आर्थिक रूप से विकसित देशों में। भारत में भी ऐसा ही पैटर्न उभरने लगा है। उदाहरण के लिए साल 2011 और 2020 के बीच देश की राजधानी में महिलाओं की शादी की औसत उम्र 21.7 से बढ़कर 24.4 साल हो गई। रिसर्च के अनुसार, अलग-अलग उम्र के लोगों के शादी में देरी करने के अलग-अलग कारण हो सकते हैं। मुख्य कारक धन, शिक्षा और एक्सपोजर जैसी चीजें हैं। अपने ग्रामीण समकक्षों की तुलना में अमीर परिवारों की कई शहरी किशोर लड़कियाँ जो ज्यादा मीडिया के संपर्क में आती हैं, उनके शादी से पहले सेक्स की संभावना ज्यादा होती है। यह देश के ग्रामीण और शहरी इलाकों के बीच शादी की रीति-रिवाजों और यौन व्यवहार में असमानताओं को दिखाता है। आमतौर पर, अमीर घरों के लोग और उच्च शिक्षा वाले लोग शादी में देरी करते हैं। देर से शादी करने के कुछ नुकसान भी हैं। बच्चों को जन्म देने पर इसका असर एक नुकसान है। हाल की स्टडीज से पता चलता है कि महिलाओं की फर्टिलिटी 30 साल की उम्र के आखिर में कम होने लगती है। ज्यादा उम्र की माताओं को प्रेग्नेंसी से जुड़ी कुछ परेशानियां हो सकती हैं, जैसे मिसकैरेज, जन्मजात बीमारियां, जेस्टेशनल डायबिटीज, लेबर में दिक्कतें और कुछ दूसरी बीमारियां। इसके अलावा, इस बात के भी सबूत हैं कि कुछ बीमारियां, जैसे ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर, ज्यादा उम्र के पिताओं के बच्चों को ज्यादा प्रभावित कर सकती हैं। पार्टनर की पक्की आदतों और विचारों के साथ तालमेल बिठाने में ज्यादा मुश्किल एक और संभावित नुकसान है। जो लोग ज़िंदगी में देर से शादी करते हैं, उनकी आदतें और राय ज्यादा पक्की हो सकती हैं, जिससे शादी में समझौता करना और ढलना मुश्किल हो जाता है। जब देर से शादी के साथ शादी से पहले सेक्स भी किया जाता है, तो सेक्शुअली ट्रांसमिटेड इन्फेक्शन फैल सकते हैं। आखिर में, सामाजिक नजरिए से, देर से शादी के कारण माता-पिता और बच्चों के बीच पीढ़ी का अंतर बढ़ रहा है। ये देर से शादी के कुछ जाने-माने नुकसान हैं। शादी टालने के कई कारणों में से तीन विरोधाभास हैं। पहला विरोधाभास है साथ रहना या शादी से पहले लिव-इन रिलेशनशिप में रहना जो हिंदू संस्कृति के खिलाफ है, जिसे कई युवा ₹टेस्ट ड्राइवर₹ मानते हैं। कई विशेषज्ञ बताते हैं कि शादी से पहले साथ रहने का इतिहास में तलाक की ज्यादा संभावना से संबंध रहा है, इसके बावजूद कि यह माना जाता है कि इससे तलाक कम होते हैं। दूसरी समस्या है ₹गलत काम करने की इच्छा₹। कुछ युवाओं का मानना है कि अभी यौन प्रयोग करने और ₹खाओ, पियो और मजे करो, वैसे भी कल तो मर ही जाना है₹ का समय है। नतीजतन, ऐसे लोगों में गलत सोच और व्यवहार विकसित होते हैं। इसके अलावा, कई स्टडीज से पता चलता है कि जो लोग ज्यादा यौन संबंध बनाते हैं और जिनके यौन आदर्श ऊंचे होते हैं, उनके शादी के बाद तलाक होने की संभावना ज्यादा होती है। आखिरी विरोधाभास है ₹बड़ी उम्र बेहतर है₹। कई युवा लगभग तीस साल की उम्र तक शादी नहीं करते क्योंकि उनका मानना ??है कि शादी बंधन, देखभाल और शेयरिंग के प्यारे दिव्य अनुभव के बजाय नुकसान का बदलाव है। देर से शादी का परिवार की संस्थाओं के बेसिक काम- वंश को आगे बढ़ाने- पर बुरा असर पड़ता है, क्योंकि यह माना जाता है कि शादी का रिश्ता बनना बच्चे पैदा करने के लिए एक जरूरी शर्त है। देर से बच्चे पैदा होना, जो आबादी की ग्रोथ पर असर डालता है, देर से शादी के सबसे बड़े बुरे असर में से एक है, खासकर हिंदू समुदाय के लिए। ह्यूमन रिप्रोडक्शन में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार, एक महिला की फर्टिलिटी 20 से 30 साल की उम्र के आखिर में कम होने लगती है, न कि तीस से चालीस की उम्र में जैसा पहले सोचा जाता था। कई महिलाओं में ओवरी की क्षमता कम हो जाती है, जिससे उनके प्रेग्नेंट होने के चांस कम हो जाते हैं। शादी में देरी से महिला के बच्चे पैदा करने के साल कम हो जाते हैं और बच्चे पैदा करना मुश्किल हो सकता है। अभी महिलाओं की पहली शादी की औसत उम्र 28 साल से ज्यादा है। पहली शादी की औसत उम्र के हिसाब से, आधी महिलाएं पहली बार तब शादी करती हैं जब वे और भी बड़ी होती हैं, और कई तीस साल की उम्र के बाद तक बच्चे पैदा करने की कोशिश नहीं करतीं। जैसा कि पहले कहा गया है, अगर फर्टिलिटी बीस से तीस की उम्र में कम होने लगती है, तो महिलाओं को तीस की उम्र के आस-पास प्रेग्नेंट होने में बीस की उम्र की तुलना में ज्यादा मुश्किल हो सकती है। दुनिया भर में, महिलाएं अपने से पहले की पीढ़ियों की तुलना में कम बच्चे पैदा कर रही हैं। इस वजह से, दुनिया भर में जन्म दर कम हो रही है, जो आबादी में कमी में बड़ा योगदान देती है। देर से शादी से बच्चों में दिक्कतें भी हो सकती हैं। कभी-कभी इन जन्मों से बच्चों को मानसिक बिमारीयों की दिक्कतें होती हैं, भले ही महिला बच्चे को जन्म देने में सक्षम हो।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

तुलसी गौड़ा: मौन की महत्ता और जंगल की आत्मा

> यहूदी समुदाय भी इस सामाजिक संरचना का सशक्त और सम्मानित हिस्सा रहा है। किंतु हाल के वर्षों में, विशेषकर साल 2023 के बाद यहूदी संस्थानों, सभास्थलों और व्यक्तियों के विरुद्ध लक्षित हिंसा की घटनाओं में वृद्धि ने इस धारणा को गंभीर चुनौती दी है। आगजनी, नफरत, धमकियाँ और हमलों की घटनाएँ केवल आपराधिक कृत्य नहीं हैं बल्कि वे ऑस्ट्रेलियाई समाज में बढ़ते ध्रुवीकरण, असहिष्णुता और असुरक्षा की गहरी परतों को उजागर करती हैं।

डॉ. प्रियंका सौरभ

आज जिस दुनिया में हर उपलब्धि को फ़्लैश लाइट, कैमरा और सोशल मीडिया की चमक से मापा जाता है, वहाँ एक वास्तविक नायक का जन्म होना और जीवनभर जीना- यह किसी लोककथा से कम नहीं है। तुलसी गौड़ा- वह नाम जिसे धरती ने सींचा, जंगल ने अपनाया और हवा में हर पत्ती के स्वरूप में जीवन का संदेश छोड़ा। वे केवल एक पर्यावरण-सेवी नहीं थीं, बल्कि जंगल की आत्मा हैं–जिसे हम देखते नहीं, पर उसकी साँस महसूस करते हैं। तुलसी गौड़ा का जन्म कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के अंकला तालुक के होनाली गाँव में हुआ था, जो आज भी अपनी प्राकृतिक हरियाली के लिए जाना जाता है। वे हलाक्की आदिवासी समुदाय से ताल्लुक रखती थीं, एक समाज जो सदियों से प्रकृति के साथ अपने गहरे रिश्ते को अनुभव और परंपरा के रूप में संजोए हुए है। गरीबी, असमर्थता और सामाजिक सीमाओं के बीच उनका जीवन शुरूआत से ही कठिन रहा। उनके पिता का देहांत तब हो गया था जब वे केवल दो वर्ष की थीं, और उनकी माँ के साथ बचपन से ही उन्हें जंगल की गोद में ही मेहनत करनी पड़ी–किसी औपचारिक शिक्षा का अवसर प्राप्त नहीं हो सका और पाठ्यपुस्तकों का ज्ञान तो वे कभी सीख ही नहीं पाईं। यही अपरंपरिक पृष्ठभूमि उन्हें प्रकृति की अपार समझ और वनस्पतियों के विस्तृत ज्ञान की ओर ले गई। तुलसी गौड़ा ने जीवन भर जंगल के साथ संवाद किया- कठोर शब्दों में नहीं, बल्कि तमीज, संवेदना और अनुभव की भाषा में। बचपन से ही जंगल को वह घर के रूप में समझती थीं, पेड़ों को परिवार के सदस्यों की भाँति मानती थीं और मिट्टी की खुशबू को अपनी साँस मानती थीं। उन्होंने लगभग 30,000 से अधिक पौधे स्वयं लगाए और उनकी देखभाल की तथा कई वृक्षों और पौधों के विकास की ऐसी सूक्ष्म बातें जान लीं, जिन्हें पारंपरिक विज्ञान भी सहजता से व्यक्त नहीं कर पाता। इसी वजह से उन्हें पर्यावरण और वनस्पति के क्षेत्र यानी जंगल का विश्वकोष कहा गया।

उनके जीवन में कर्तव्य कोई विकल्प नहीं था बल्कि धर्म जैसा था। उन्होंने दशकों तक कर्नाटक के विभिन्न वन क्षेत्रों में पौधों की पोषण, जड़ों से पौधों के उद्धार, मिट्टी में जीव वैज्ञानिक संतुलन तथा पेड़ों को थमने और बढ़ने की विधियाँ अपने अनुभव से सीखी और सिखाईं। वे केवल पौधे नहीं लगाती थीं; वे जीवन के स्वरूप को पुनर्स्थापित करती थीं- हर एक पौधे में वह जीवन के कई रूप देखने में सक्षम थीं, इसलिए वन विभाग और स्थानीय समुदाय के लोग उन्हें ह्यश्१‘ॅ टं३ह्व (पेड़ों की माता) के नाम से भी पुकारते थे। उनका यह ज्ञान केवल यांत्रिक वृक्षारोपण का परिणाम नहीं था। वह जंगल की भाषा, मिट्टी की गति, पत्तियों की गिरावट, बीज के अंकन और प्रकृति की अनंत जुड़ाव की भाषा को समझकर आया था। वे मां के दूध की तरह पेड़ों के पोषण को महसूस कर सकती थीं, न कि केवल तकनीक से पढ़ सकती थीं। यही उन सबका सबसे बड़ा योगदान था- उन्होंने हमें यह सिखाया कि प्रकृति को जीना किसी पढ़ाई की किताब से नहीं, बल्कि अनुभव की स्याही से सीखा जाता है।

उनका जीवन उसी भावार्थ में आगे बढ़ा- बिना गम के, बिना घोषणा के, बिना किसी शो-ऑफ की चाह के। वे जंगल विभाग की एक अस्थायी स्वयंसेवक के रूप में अपनी सेवाएँ देने लगीं, जहाँ उन्हें पौधों के नर्सरी का काम सौंपी गई। उनकी लगन, ज्ञान और समर्पण ने उन्हें इतने वर्षों बाद स्थायी पद तक पहुँचा दिया, जहाँ उन्होंने करीब पैंतीस वर्षों तक मजदूरी कार्मिक के रूप में काम किया और उसके बाद पन्द्रह वर्ष के लिए स्थायी कर्मचारी के रूप में वन संरक्षण और हरियाली संवर्धन में कार्य किया। उन्होंने वन विभाग के प्रोजेक्टों को स्थानीय वन्यजीव संरक्षण, आग नियंत्रण और पौधों की प्रजातियों के संरक्षण का एक जीवंत नेटवर्क बनाया। उनके समर्पण और अनुभव के लिए उन्हें कई सम्मान मिले। वर्ष 2021 में भारतीय सरकार ने उन्हें ह्यपद्मश्रीह्व से सम्मानित किया, जो देश का चौथा सर्वोच्च नागरिक सम्मान है, पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण में उनके अतुलनीय योगदान के लिए। यह सम्मान राष्ट्रपति के हाथों दिया गया, जिससे वर्षों तक शांतिपूर्वक चल रहे उनके काम को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली। इसके अलावा उन्हें इंदिरा प्रियदर्शिनी वृक्षमित्र पुरस्कार, कर्नाटक राज्योत्सव पुरस्कार और बाद में धरवाड़ कृषि विश्वविद्यालय द्वारा मानद डॉक्टरेट भी प्रदान किया गया- ये सभी सम्मान उनकी सेवा और ज्ञान की विश्वसनीयता को रेखांकित करते हैं। तुलसी गौड़ा ने स्वयं कहा था कि वे जंगल और पेड़ों को ही अपना सबसे बड़ा सम्मान मानती हैं- उनके लिए हर नया अंकुर, हर हरियाली की पत्ती, धरती की हरी मुस्कान थी, जिसे पाना जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य था। उनकी लोकप्रियता का एक बड़ा पहलू यह भी था कि वे स्वयं कभी किसी दिखावे में नहीं आईं। पद्मश्री पाने के अवसर पर भी वे पारंपरिक स्थानीय परिधान और नग्न पाँव (बेरूफूट) में मैदान में पहुँचीं, यह दिखाते हुए कि वास्तविक सेवा किसी औपचारिक कपड़े, मंच या कैमरे की रोशनी की मोहताज नहीं होती। तुलसी गौड़ा का जीवन केवल प्रकृति-सेवा की कहानी नहीं है; यह मानवता की धरती के साथ पुनः जुड़ने की अप्रतिम कथा है। उन्होंने वह किया, जो अक्सर हमारी सभ्यता भूल जाती है- धरती को संबंध, सम्मान और पति-पत्नी के समान गहरा बन्धन देना। आज के समय जब लोग पर्यावरण संरक्षण को केवल दिखावे, पोस्टिंग और प्रतिष्ठा के रूप में देखते हैं, उनका सिर्फ ठहरना ही एक जीवंत प्रश्न बन जाता है-क्या हम वास्तव में प्रकृति को समझते हैं या केवल उसके फोटो में स्वयं को महान दिखाते हैं? तुलसी गौड़ा ने जवाब मौन में दिया। उन्होंने न केवल बीज लगाए बल्कि संस्कार बोए, न केवल पौधे उगाए, बल्कि समझ उपजी, न केवल धरती को हरा किया, बल्कि देश को जागृत किया। जब वे अपने गृह गांव होनाली में अपने घर पर 16 दिसंबर 2024 को 86 वर्ष की आयु में शांतिपूर्वक चल बसें, तब एक युग का अंत नहीं, बल्कि एक जीवंत प्रेरणा का आरंभ हुआ–एक ऐसी प्रेरणा जो हम सभी के भीतर पर्यावरण के प्रति सम्मान की लौ को प्रज्वलित करने की क्षमता रखती है। आज जब विश्व जल-संकट, वायु प्रदूषण और वन विनाश की समस्याओं से घिरा है, तुलसी गौड़ा की याद हमें यह याद दिलाती है कि परिवर्तन केवल बड़े पहलुओं में नहीं, बल्कि व्यक्ति के प्रत्यक्ष, सकुशल और समर्पित कर्म में निहित है। उनके जीवन का संदेश यह है कि असली सेवा दिखावे से नहीं, चुपचाप, निरंतर और समर्पण-भर प्रयास से होती है। उनकी कहानी यह भी दशार्ती है कि प्रकृति और मानव का संबंध केवल नया उद्यान लगाने का नहीं, बल्कि उसे समझने, जीने, बचाने और साझा करने का है। तुलसी गौड़ा ने वह सब किया जिसे हम सामाजिक उत्तरदायित्व कहकर भूल जाते हैं। वे केवल जंगल की विश्वकोश नहीं थीं–वे धरती की आत्मा थीं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि असली नायक वह नहीं जो कैमरे में चमकता है, बल्कि वह जो धरती में जीवन का प्रकाश बनाए रखता है। तुलसी गौड़ा को नमन–उनकी शांति, उनकी समझ और उनकी सेवा को याद रखकर ही हम एक स्थायी और हरित भविष्य की ओर कदम बढ़ा सकते हैं।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

तेलंगाना का अद्भुत वेंकटेश्वर मंदिर, 12 फुट की भव्य प्रतिमा और वास्तुकला का संगम

स्वर्णगिरी वेंकेटेश्वर स्वामी मंदिर को यदाद्री तिरुमला देवस्थानम भी कहा जाता है। तेलंगाना के भुवनगिरी में यह मंदिर मानेपल्ली हिल्स पर बना है। स्वर्णगिरि वेकेंटेश्वर स्वामी मंदिर हैदराबाद से करीब 47.3 किमी दूर है। इस मंदिर को 22 एकड़ जमीन पर बनाया गया है। जिस पहाड़ी पर यह मंदिर बनाया गया है, उसको स्वर्णगिरि नाम दिया है। इस मंदिर की डिजाइन में विजयनगर, पल्लव, चोल और चालुक्य साम्राज्यों की वास्तुकला को मिश्रण देख सकते हैं इस मंदिर की चारों दिशाओं में बड़े-बड़े राजगोपुरम बने हैं। बड़े-बड़े मंडप बनाए गए हैं और मंदिर गर्भगृह के ऊपर 5 मंजिला विमान गोपुरम बनाया गया है। गर्भगृह में भगवान श्री वेंकटेश्वर की 12 फुट ऊंची प्रतिमा स्थापित है, जोकि तेलंगाना की सबसे ऊंची मूर्ति मानी गई है। इस मंदिर की खूबसूरती देख लोग हैरत में पड़ जाते हैं।

मंदिर बनने की कहानी

इस मंदिर को बनाने के पीछे एक चमत्कारिक घटना जुड़ी है। प्रसिद्ध उद्योगपति श्रीमन मानेपल्ली रामाराव की पत्नी श्रीमति विजयलक्ष्मी एक गंभीर एक्सीडेंट के बाद कोमा में चली गईं। जिसके बाद डॉक्टरों ने उम्मीद छोड़ दी, लेकिन तिरुपति का पवित्र जल देने के बाद उनकी जान बच गई। इस चमत्कार के बाद परिवार ने भगवान के प्रति आभार जताते हुए अपनी जमीन पर एक बेहद भव्य मंदिर बनाने का फैसला किया। इस मंदिर को बनाने में करीब 7 साल से अधिक समय लगा।

मंदिर की खूबसूरती

स्वर्णगिरी वेंकेटेश्वर स्वामी मंदिर को बेहद भव्य तरीके से बनाया गया है। इस मंदिर के चारों ओर चार बड़े राजगोपुरम है। जोकि अंदर बने विशान मंडपों की तरफ ले जाते हैं। गर्भगृह के ऊपर 5 मंजिला विमान गोपुरम बनाया गया है। जो दूर से ही मंदिर की सुंदरता को अधिक बढ़ा देता है। वहीं गर्भगृह के अंदर भगवान श्री वेंकटेश्वर की 12 फुट ऊंची प्रतिमा है। यह तेलंगाना की सबसे बड़ी मूर्ति मानी जाती है। इस मंदिर में 120 फुट ऊंचा हनुमान मंडप है, वहीं 40 फुट ऊंची एक ही पत्थर से बनी हनुमान प्रतिमा भी स्थापित है। इसके अलावा यहां पर भारत की दूसरी सबसे बड़ी कांसे की घंटी है। जिसका वजन करीब 1.5 टन है। मंदिर का जला नारायण स्वामी सन्निधि शाम की रोशनी में बेहद खूबसूरत लगता है।

मंदिर दर्शन और आरती का समय

मंदिर खुलने का समय- सुबह 5:00 बजे

भूपाली और अभिषेक का समय- सुबह 05:00 बजे से 06:30 बजे तक

मंदिर का ब्रेक टाइम- दोपहर 12:30 बजे से 01:30 बजे तक

शेजआरती (रात की अंतिम आरती)- रात 09:00 बजे

आरती, नैवेद्य और महाप्रसाद वितरण- दोपहर 01:30 बजे से 2:30 बजे तक

कब जाएं

बता दें कि यह जगह बेहद दिव्य और आध्यात्मिक माहौल से भरी है। आप पूरे साल में कभी भी यहां आ सकते हैं। लेकिन यहां पर घूमने का सबसे अच्छा समय बारिश और सर्दियों का मौसम माना जाता है। मॉनसून के दौरान यहां हल्की तेज बारिश होती है, जिससे आसपास हरियाली और भी सुंदर लगती है। बारिश के बाद यहां का माहौल स्वर्ग जैसा सुंदर बन जाता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :**
www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

समाचार सार

मधुपुर कॉलेज के मधुप जर्नल का दूसरा अंक विमोचित

दुमका : मधुपुर कॉलेज द्वारा प्रकाशित मधुप जर्नल के दूसरे अंक का विमोचन आज को विवि की कुलपति प्रो. कुनुल कंडिर ने किया। इस अवसर पर कुलपति ने प्रचार्य डॉ. रत्नाकर भारती एवं उनकी पूरी टीम को शुभकामनाएं दी और कहा कि इस तरह का पहल कॉलेज स्तर पर अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने पत्रिका के लिए करठ नंबर प्राप्त करने की सलाह भी दी।

कुलपति ने कहा कि यह जर्नल न केवल शोधार्थियों, बल्कि शिक्षकों और संपूर्ण अकादमिक समुदाय के लिए एक उपयोगी एवं सार्थक मंच के रूप में विकसित हो। विमोचन समारोह में डीन ऑफ स्टूडेंट्स डॉ. जैनेन्द्र यादव, प्रॉक्टर डॉ. राजीव कुमार, परीक्षा नियंत्रक डॉ. रीना नीलिमा लकड़ा, मधुपुर कॉलेज के प्रचार्य डॉ. रत्नाकर भारती, जर्नल के संपादक डॉ. रंजीत कुमार, पीआरओ दीपक कुमार सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे। जर्नल के संपादक ने बताया कि इस अंक में विभिन्न विषयों के 34 शोध आलेख शामिल किए गए हैं। उन्होंने बताया कि मधुप जर्नल का शुभारंभ नवंबर 2023-24 में हुआ था और यह दूसरा अंक है।

जारी है जय माता दी सेवा समिति का जन सेवा

दुमका : जय माता दी सेवा समिति दुमका के अध्यक्ष राजेश कुमार राउत द्वारा 8 दिसंबर 2025 से प्रतिदिन रात्रि में बस स्टैंड एवं शहर में घूम-घूम कर भूखे को भोजन एवं ठण्ड से राहत के लिए कम्बल का वितरण किया जा रहा है. रविवार को जय माता दी सेवा समिति तथा कृतिका सेवा केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में रविवार भोजन सेवा के साथ कम्बल वितरण किया गया. भोजन सेवा में राजमा,चावल,आचार दिया गया। समिति के अध्यक्ष राजेश कुमार राउत के घर से   स्वयं से निर्मित भोजन,शहर के टाटा शोरूम,टीन बाजार,धर्मस्थान,वीर कुंवर सिंह चौक,गाँधी मैदान,बस स्टैंड, पोखरा चौक इत्यादि जगहों पर कार से घुम-घुम कर लगभग 150 लोगों को भोजन कराया गया।

साथ ही बीते सोमवार से प्रतिदिन रात्रि में बस स्टैंड एवं शहर में घूम घूम कर जरुरत मंदो को भोजन (बिरयानी) एवं ठण्ड से राहत के लिए कम्बल भी बांटा जा रहा है. समिति के अध्यक्ष श्री राउत ने बताया कि इन गरीबों के चेहरे की खुशी देख कर मन को बहुत संतुष्टि मिलती है । इन कार्यक्रमों से मन को बहुत शांति मिलती हैं। श्री राउत का का उद्देश्य ही ₹नर सेवा नारायण सेवा₹ हैं।ये रविवार भोजन सेवा 1 जनवरी 2022 से लगभग सभी रविवार होती आई है।ये कार्यक्रम अभी निरंतर चले ऐसा प्रयास किया जाएगा. कार्यक्रम में मोनिका राउत,संदीप कुमार जय बमबम,सज्जल दास,संतोष ठाकुर और सुनीता देवी का कार्य सहयोग रहा।

झारखंड विधानसभा की आवास समिति की आयोजित बैठक संपन्न

दुमका : स्थानीय परिसदन में रविवार को झारखंड विधानसभा की आवास समिति के सभापति दशरथ गागराई की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान भवन निर्माण विभाग, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता, जल संसाधन, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, शिक्षा, उत्पाद, परिवहन, स्वास्थ्य सहित अन्य विभागों द्वारा पूर्व में निर्मित सरकारी भवनों एवं आवासों की वर्तमान स्थिति की विस्तृत जानकारी ली गई।

सभापति ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि स्वीकृत योजनाओं को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण किया जाए, ताकि योग्य लाभुकों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का समुचित लाभ मिल सके। उन्होंने भवनों के नियमित रख-रखाव, उपयोगिता सुनिश्चित करने एवं लंबित कार्यों में तेजी लाने का भी निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान, अपर समाहर्ता राजीव कुमार, भू अर्जन पदाधिकारी, भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी तथा अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

महिला ने की आत्महत्या, पति सहित तीन पर केस दर्ज

मेदिनीनगर : शहर थाना क्षेत्र के बेलवाटीकर बंधन मैरेज हॉल के समीप शनिवार की शाम में एक महिला ने आत्महत्या कर ली है। इस मामले में तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। शहर थाना प्रभारी ज्योति लाल रजवार ने बताया कि मृतक के पिता सह पांकी थाना क्षेत्र के करार गांव निवासी कृष्णा राम के आवेदन के आलोक में पति चंदन कुमार, ससुर बबलू चंद्रवंशी और सास के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है जिसके आलोक में जांच शुरू कर दी गई है। थाना प्रभारी ने बताया कि आवेदन के अनुसार शादी के बाद से दहेज के लिए ससुराल पक्ष के लोग पुत्री रिचा को प्रताड़ित किया करते थे। इस संबंध में कई बार पंचायती भी हुई थी। आशंका है कि तीनों लोगों ने मिलकर उनकी पुत्री की हत्या कर शव फंदे से लटका दिया होगा। शनिवार की शाम में रिचा देवी के शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया था। टीओपी-टू प्रभारी राकेश कुमार सिंह के अनुसार घटना के समय घर पर कोई बड़ा सदस्य मौजूद नहीं था। कमरे में एक छोटी बच्ची और तीन माह की दूधमुंही बेटी थी। बच्ची के रोने की आवाज सुनकर आसपास के लोग पहुंचे तो महिला को फंदे पर लटका पाया। बाद में मामले की जानकारी टीओपी टू में दी गई थी।

महिला श्रमिकों को भी कानूनी तौर पर संगठित करना है : राजकुमार यादव

संवाददाता

वार्षिक अधिवेशन
झारखण्ड मजदूर संघ (प्रजातांत्रिक)

साहिबगंज: मजदूरों के हित में जागरूकता के दृष्टिकोण से श्रमिकों के हक और अधिकार के रक्षा के लिए बरहरवा प्रखंड के छाता डंगाल रतनपुर मैदान मे झारखण्ड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक का जिला वार्षिक सम्मेलन जिला अध्यक्ष प्रीतम पीयूष की अध्यक्षता में किया गया।सम्मेलन में संगठन के केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने कहा कि कामगारों को रोजगार,पलायन एवं भ्रष्टाचार,मंहगाई जैसी विकराल समस्याओ से निजात दिलाने का काम संगठन के माध्यम से लगातार की जा रही है।उन्होंने कहा कि महिला श्रमिको को भी कानूनी तौर पर संगठित करना और मजदूरों की समस्या से जिला प्रशासन को अवगत कराना का काम किया जा रहा है।वही नए श्रम कानून 2025 के तहत न्यूनतम मजदूरी,बोनस,ग्रेच्यूटी एवं समाजिक कल्याण का लाभ देना,ओवर टाईम कार्य की दो गुना मजदूरी दिलवाना,छँटनी को रोकना,48 घंटे के अंदर पूरा और अंतिम बिल का भुगतान सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा किया गया।वही सम्मेलन के बाद एक शिष्टमंडल राजकुमार यादव के नेतृत्व में राज्यपाल के नाम बरहरवा अंचलाधिकारी को 16 सूत्री मांग पत्र सौपा।सम्मेलन में मुख्य रूप से केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव,केंद्रीय अध्यक्ष संजय गुप्ता,उपाध्यक्ष फुल कुमारी,जिला अध्यक्ष प्रीतम पीयुस,उपाध्यक्ष निखिल यादव,जिला महामंत्री इमाम विश्वास, प्रवक्ता अंसार खान,जिला कार्यालय मंत्री जावेद अख्तर,प्रमंडलीय संयोजक मोजम अलि,केन्द्रीय सहायक यंत्री रविकांत ठाकुर,जियाउल हक जिला कार्यकारी अध्यक्ष सद्दाम अंसारी,मनोहर लाल चौहान,कृष्ण कुमार यादव,श्यामल प्रसाद दास,नगर अध्यक्ष दिलीप दोकानिया,रणधीर प्रसाद चौरसिया ब्रह्मदेव यादव,मिथुन यादव सहित सेकंडों कार्यकर्ता मौजूद थे। सभी कामगारो को न्यूनतम बेतन का भुगतान (2025 के श्रम कानून के तहत हो, सभी कामगारो को न्युक्ति पत्र दिया जाय, बिजली,सड़क,पानी की व्यवस्था हो। महिलाओ को समान काम के समान वेतन 2025 के वेतन नियम को लागू किया जाए,प्रतिष्ठान द्वारा मजदूरों का भुगतान बैंक खाता से हो,रेलवे ट्रेक लोडिंग मजदूरों को प्रति वेगन 4500,रू० भुगतान,बोनस ग्रेच्यूटि लाभ दिया जाए,कामगारों से 8 घंटे काम ली जाए इससे उपर काम लेने पर ओभर टाईम दिया जाए, बरहरवा,पतना रेलवे साईडिंग मे वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण से बचने के जल छिड़काव हो,जन वितरण प्रणाली विक्रेता द्वारा कार्डधारियो को सही तरीके से अनाज वितरण कि जाए,निजी विद्यालय में 25 प्रतिशत गरीब,अनुसूचित जाए। जनजाति, अनुसूचित जाति,अल्पसंख्यक,पिछड़े वर्ग के छात्र-छात्राओं का दाखिला हो,जिले के सभी अंचल के गरिब मजदूरों को जमीन बंदोवस्त हो तथा आवास मिले, मानव तस्करी पर रोक लगाया, बरहरवा-पाकुड़ रोड में लबदा गांव के पास ओवर ब्रिज का निर्माण हहोराजमहल-मानिकचक (प०बंगाल) के बीच गंगा पुल निर्माण किया जाए,मनरेगा मजदूरो को 180 दिन का काम दिया जाए एवं मजदूरी वृद्धि की जाए। सहित कई मुद्दा शामील है।

मोदी सरकार जनहितैषी योजनाओं को बंद करने की साजिश रच रही है : बरकतुल्लाह

साहिबगंज:महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना मनरेगा को कमजोर करने,इसके नाम से महात्मा गांधी का नाम हटाने और ग्रामीण गरीबों के रोजगार के संवैधानिक अधिकार पर कथित हमले के विरोध में साहिबगंज जिला कांग्रेस कमिटी की ओर से जिला मुख्यालय के गांधी चौक पर गांधी की प्रतिमा के सामने विरोध प्रदर्शन किया।कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने इसे ग्रामीण गरीबों के हक पर सीधा हमला बताते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की.प्रदर्शन में जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने कहा कि सरकार मनरेगा जैसी योजना बंद करना चाहती है।केंद्र की मोदी सरकार जनहितैषी योजनाओं को बंद करने की साजिश रच रही है।उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार विशेष रूप से कांग्रेस शासनकाल में शुरू की गई योजनाओं को निशाना बना रही है।महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना(मनरेगा) की शुरूआत 2005 में कांग्रेस शासनकाल में हुई थी।इसका उद्देश्य गरीब जनता को 100 दिन का रोजगार प्रदान करना,ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और ग्रामीण जनता को नकद राशि उपलब्ध कराना था।लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने न केवल योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाया है,बल्कि पूरी योजना को कमजोर कर दिया है। बरकतुल्लाह खान ने मोदी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी सरकार मनरेगा योजना को धीरे-धीरे कमजोर कर इसे समाप्त करने की मंशा रखती है. यह कानून न केवल रोजगार के अधिकार को सीमित करता है,बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी कमजोर करने वाला है.उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि मोदी सरकार इस जनविरोधी कानून को वापस नहीं लेती है और नरेगा योजना का नाम पुनःमहात्मा गांधी के नाम से नहीं रखा जाता है,तो कांग्रेस पार्टी हर मोर्चे पर संघर्ष करेगी.उन्होंने कहा कि जिला स्तर से लेकर पंचायत स्तर तक व्यापक आंदोलन होगा और कांग्रेस कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर जनता को जागरूक करेंगे.प्रदर्शन में मो.कलीमुद्दीन,बासुकीनाथ यादव, सरफराज आलम,भोला महतो, हीरालाल साहा,दिलीप गुप्ता,यमुना दास,मो. सलाहउद्दीन,अली कुरैशी कज्जाफी मुर्शाद,रिजवान अंसारी,र णजीत टुडू,देवेन्द्र ठाकुर, शब्दुल अंसारी,लक्ष्मण मण्डल, मोफिज आलम, अनन्तलाल भगत,संतोष झा,छोटेलाल रमानी,नेहाल अख़्तर, प्रमित तिवारी,गुफरान आलम,मनीष प्रताप, मो.रहीम,सुभाष कुमार, सिफरान अख़्तर,सूरज पासवान, अब्दुल कादिर सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

यह सम्मान समाज सेवा के क्षेत्र में कार्य करने वाले प्रत्येक लोगों जनसेवा है : राष्ट्रीय मंत्री

साहिबगंज: हाउस ऑफ लॉर्ड्स,लंदन में ग्लोबल इन्नोवेशन एन्ड लीडरशिप समिट मे एक्सीलेंस इन सोशल वर्क एन्ड एनवायरनमेंट सेंसिटिविटी आवार्ड से सम्मानित होने के बाद भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव रविवार को पहली बार राजमहल पहुंचे।उनके आगमन पर शहर के निरीक्षण भवन राजमहल में भाजपा नेता पंकज घोष के नेतृत्व में पार्टी कार्यकत्ताओं व समर्थकों ने उनका भव्य स्वागत किया।इस अवसर पर कार्यकत्ताओं ने श्री यादव को माला पहनाकर शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया।स्वागत समारोह के दौरान कार्यकताओं ने इस सम्मान को क्षेत्र और संगठन के लिए गौरवपूर्ण बताया।श्री यादव ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान समाज सेवा के क्षेत्र में कार्य करने वाले प्रत्येक लोगों जनसेवा कार्य हेतु प्रोत्साहित करेगा।मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता नवीन मिश्रा,डब्बू अग्रवाल,मिथुन मंडल,निताई मंडल,सुजीत यादव,विवेक मालो,मिथुन रविदास,अनमोल आनंद आनंद दास,गणेश राय सहित दर्जनों युवा मौजूद थे।

सहायक अध्यापकों ने वित्त मंत्री से मांगी सहायता राशि

मेदिनीनगर : झारखंड राज्य सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा का प्रतिनिधि मंडल झारखंड के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर को छह सूत्री ज्ञापन सौंपा। इसके माध्यम से सेवानिवृत/मृत पारा शिक्षकों के आश्रितों को कल्याण कोष में जमा दस करोड़ रुपए के ब्याज से सहायता राशि देने, 28.8.2024 के उच्च स्तरीय बैठक में लिये गए निर्णय के अनुसार सहायक अध्यापकों के मानदेय में एक हजार रुपए वृद्धि करने आदि की मांग की गई है। सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा ने वित्त मंत्री से मांग की है कि मृत सहायक अध्यापकों के आश्रितों को अनुकंपा का लाभ देने, सहायक अध्यापकों को सहायक आचार्य के वेतनमान के समतुल्य मानदेय देने, सीटेट को अन्य राज्यों की तरह जे टेट की मान्यता देने,सरकारी शिक्षकों की तरह सहायक अध्यापकों को भी स्वास्थ्य बीमा का लाभ देने आदि की पहल की जाए है।

सहायक अध्यापकों के अनुसार वित्त मंत्री ने आश्वासन दिया कि जनवरी माह में शिक्षा सचिव से अपनी उपस्थिति में बैठक कराएगें। प्रतिनिधि मंडल में जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव, अनुज दुबे, जनेश्वर सिंह, लिलेश्वर सिंह,सूरजमल सिंह, ललन साहू, विजय यादव, महेंद्र राम, प्रकाश पासवान समेत काफी संख्या में सहायक अध्यापक उपस्थित थे।

सतबरवा अंचल कार्यालय ने किया अलाव की व्यवस्था

सतबरवा : अंचल कार्यालय की ओर से रविवार को कई जगह पर अलाव की व्यवस्था की गई है। अंचल अधिकारी कृष्ण मुरारी तिर्की ने बताया कि सतबरवा के चौराहे के अलावा जहां पर श्रमिक वर्ग के लोगों का आना-जाना लगा रहता है, वहां पर आग जलाने के लिए लकड़ी की व्यवस्था की गई है ताकि लोगों को ठंड से राहत मिल सके। सतबरवा ब्लॉक कैंपस के साथ टेंपो स्टैंड और मेलाटांड़ के अलावा पुराना बस स्टैंड तथा बकोरिया, पोंची और क्षेत्र के अन्य हिस्सों में राजस्व उप-निरीक्षक के साथ सामाजिक संगठन के लोगों को अलाव जलाने की व्यवस्था बेहतर तरीके से कराने का निर्देश दिया गया है। नाजिर आशुतोष कुमार सिंह कहा कि दर्जनभर जगहों पर लकड़ी की व्यवस्था की गई है। अंचल क्षेत्र में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। न्यूनतम तापमान 5-7 डिग्री सेल्सियस तक है। अधिकतम तापमान 20 डिग्री से नीचे चला आया है। ठंड से लोग बेहाल है।

छात्र संघर्ष मोर्चा ने पूर्व शिक्षा मंत्री को सौंपा मांग पत्र

मेदिनीनगर : अनुसूचित जाति जनजाति छात्र संघर्ष मोर्चा ने एनपीयू में प्रतिकुलपति और शिक्षकों की नियुक्ति की मांग को लेकर मेदिनीनगर में आए झारखंड के पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की को मांग पत्र सौंपा। बंधु तिर्की से मोर्चा अध्यक्ष उदय राम ने कहा कि एनपीयू में काफी लंबे समय से प्रति कुलपति का पद रिक्त है। वहीं शिक्षकों की काफी कमी है। इस कारण छात्र-छात्राओं को पठन-पाठन पर भी असर पड़ रहा है। छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। शिक्षकों के नहीं रहने से कॉलेज में शैक्षणिक वातावरण नहीं बन बन पा रहा है। पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की ने विश्व विद्यालय में प्रति कुलपति एवं कॉलेज शिक्षकों के नियुक्ति कराने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर अनिल राम, प्रेम कुमार, संजीत कुमार, दीपक कुमार,राम नरेश राम आदि उपस्थित थे।

झारखंड में जल जीवन मिशन योजना में लापरवाही : भाजपा

रांची : भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने कहा कि जल जीवन मिशन केंद्र सरकार की एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी योजना है। इसका उद्देश्य वर्ष 2024 तक झारखंड सहित पूरे देश में हर घर तक नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल पहुंचाना था। लेकिन दुर्भाग्यवश झारखंड में यह महत्वाकांक्षी योजना लापरवाही की भेंट चढ़ गई। एक ओर हेमंत सरकार केंद्र सरकार पर समय पर धनराशि न देने का आरोप लगाती है, वहीं दूसरी ओर केंद्र से प्राप्त राशि का बंदरबांट किया जा रहा है।

दामोदर नदी के प्रदूषण का फिर होगा अध्ययन : सरयू

रांची : दामोदर बचाओ आंदोलन के प्रणेता सह विधायक सरयू राय ने कहा कि फरवरी 2026 में दामोदर नदी के प्रदूषण का एक बार फिर गहन अध्ययन किया जाएगा। इस अध्ययन में जर्मनी के पर्यावरणविद हस्को भी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि नदी को गंदा करने से बचना होगा, क्योंकि हर मानसून में दामोदर स्वयं को शुद्ध करने की क्षमता रखती है।

सरयू राय रविवार को युगांतर भारती, नेचर फाउंडेशन और आईआईटी (आईएसएम) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी और युगांतर भारती की वार्षिक आम सभा में बोल रहे थे।

राय ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को लेकर देश में पर्याप्त कानून हैं, लेकिन उनका पालन नहीं हो रहा है। यदि सख्ती से कार्रवाई हो, तो प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण संभव है।

कार्यक्रम में युगांतर भारती के अध्यक्ष अंशुल शरण ने कहा कि पहले दामोदर का पानी कोई नहीं पीता था, लेकिन आज लोग इसका उपयोग कर रहे हैं और नदी में छठ जैसे पर्व फिर से होने लगे हैं। आईआईटी (आईएसएम) के प्रो अंशुमाली ने चेतावनी दिया कि नदियां खत्म हुईं तो इंसानी सभ्यता भी संकट में पड़ जाएगी।

वहीं सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी संजय रंजन सिंह ने हाइड्रोजन और न्यूक्लियर ऊर्जा को भविष्य का समाधान बताया।

बांग्लादेश में हिंदुओं के नरसंहार पर खामोश क्यों है : संत

बांग्लादेश में हिंदू उत्पीड़न पर भाजपा की चुप्पी 'हिंदू हितों' के साथ विश्वासघात

संवाददाता

साहिबगंज: हिंदू धर्म रक्षा मंच के केंद्रीय अध्यक्ष संत कुमार घोष ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहां की बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे निरंतर हमलों,हत्याओं और लूटपाट पर भारतीय जनता पार्टी भाजपा के 'मौन' पर कड़ा प्रहार किया है।उन्होंने भाजपा की इस चुप्पी को निंदनीय और निराशाजनक बताया है।श्री घोष ने कहा भाजपा विश्व की एकमात्र हिंदू हितैषी पार्टी है तो आज बांग्लादेश में हिंदुओं के नरसंहार पर खामोश क्यों है।यह चुप्पी उन लाखों हिंदुओं के साथ विश्वासघात है जो भाजपा को अपनी आवाज समझते थे।अस्तित्व का संकट मंच का मानना है कि भाजपा का यह रवैया न केवल निराशाजनक है,बल्कि वैश्विक स्तर पर हिंदू हितों की रक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है।उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की है कि वह तुरंत हस्तक्षेप करे और बांग्लादेश सरकार पर कूटनीतिक दबाव बनाकर वहां रह रहे हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करे।संत कुमार घोष ने देश के समस्त हिंदू संगठनों से अपील की है कि वे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर बांग्लादेशी हिंदुओं के पक्ष में आवाज बुलंद करें।उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए,तो इतिहास इस चुप्पी के लिए कभी माफ नहीं करेगा।

सान्या के लिए दिसंबर का महीना लकी

'मिसेज' के लिए भी मिला अवॉर्ड

बॉलीवुड अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा के लिए दिसंबर का महीना लकी साबित हो रहा है। इस महीने उन्हें एक नहीं, बल्कि दो अलग-अलग अवॉर्ड से नवाजा गया है। अभिनेत्री को भारतीय टेलीविजन अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। सान्या ने खुशी जाहिर करते हुए फोटोज सोशल मीडिया पर पोस्ट की। सान्या मल्होत्रा ने इंस्टाग्राम पर भारतीय टेलीविजन अकादमी पुरस्कार के साथ फोटो पोस्ट की। अभिनेत्री हाथ में आईटीए की ट्रॉफी और चेहरे पर स्माइल लिए दिख रही हैं। यह अवॉर्ड उन्हें ओटीटी फिल्म 'मिसेज' के लिए मिला। उन्होंने कैप्शन में लिखा, ''दिल कृतज्ञता से भरा है। इस सम्मान के लिए धन्यवाद, 'मिसेज' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस। इस फिल्म में सान्या ने ऋचा नाम के गृहिणी का रोल प्ले किया है। उनके साथ निशांत दहिया और कंवलजीत सिंह भी नजर आए थे। फिल्म से हर महिला ने कनेक्ट किया है। फिल्म गृहिणी की रोजमर्रा के काम और परेशानियों को दिखाती है कि कैसे पढ़ी-लिखी होने और पूरी मेहनत के बाद भी वे ससुराल वालों की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पातीं। फिल्म में बहुत छोटे-छोटे पहलुओं पर गौर किया गया है, जैसे सिलबट्टे की चटनी ज्यादा अच्छी होती है, आलू ज्यादा उबल गए हैं, या खाने में नमक कम है। इन चीजों से हर महिला को कभी न कभी दो-चार होना पड़ता है। फिल्म में परिवार, रिश्ते और परंपरा की दौड़ में महसूस होने वाली घुटन को अच्छे से पर्दे पर उतारा गया है। दो दिन पहले ही इसी फिल्म के लिए सान्या को फिल्मफेयर ओटीटी अवॉर्ड से नवाजा गया था। फिल्मफेयर ओटीटी अवॉर्ड में भी उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का ही अवॉर्ड मिला। उन्होंने खुशी जाहिर कर लिखा था, 'रिचू, तुम कितनी कमाल की लड़की हो, मेरी जिंदगी में आने और मुझे इतना कुछ सिखाने के लिए थैंक यू। 'मिसेज' मेरे लिए बहुत खास है और यह अवॉर्ड मेरी टीम और मेरी शानदार कास्ट और क्रू के लिए है, जिन्होंने रिचा को जिंदा करने में मेरी मदद की। '

जब आप डर की बजाय जीवन को चुनते हैं, सब कुछ बदल जाता हैः कुब्रा सैत

अपने दस दिनों के ब्रह्मपुत्र राफ्टिंग के साहसिक अनुभवों से गुज़रकर कुब्रा सैत लौट चुकी हैं, लेकिन इस बार वे पूरी तरह एक नए दृष्टिकोण के साथ लौटी हैं, जिसमें उन्होंने डर की बजाय साहस को चुनने का संदेश दिया है. गौरतलब है कि फिल्म और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर अपनी दमदार और बहुमुखी अभिनय के लिए जानी जाने वाली कुब्रा सैत ने हमेशा खुद को एक ऐसे अभिनेता के रूप में स्थापित किया है, जो अपनी गहरी और सच्चाई से भरी परफॉर्मेंस के लिए प्रसिद्ध हैं।

हालांकि स्क्रीन के साथ वे वास्तविक जीवन की चुनौतियों का सामना करना भी अच्छे से जानती हैं। फिलहाल अरुणाचल प्रदेश के सियांग नदी, जो ब्रह्मपुत्र की ऊपरी धारा है, पर 180 किलोमीटर की कठिन राफ्टिंग यात्रा पूरी करने के बाद वे काफी रोमांचित महसूस कर रही हैं। 12 दिनों में संपन्न हुई, जिसमें सात दिन लगातार राफ्टिंग थी। यह यात्रा अरुणाचल प्रदेश के सियांग जिले के दूरदराज इलाकों से होकर गुजरी, जहां मोबाइल नेटवर्क और आधुनिक सुविधाएं नहीं थीं। सियांग-ब्रह्मपुत्र नदी प्रणाली अपने चौड़े, तेज-बहाव वाले धाराओं और अप्रत्याशित रैपिड्स के लिए जानी जाती है, जो शारीरिक सहनशक्ति, तकनीकी कौशल और मानसिक ध्यान की आवश्यकता होती है। इस दौरान टीम ने नदी के किनारे कैंप लगाए और केवल बुनियादी सुविधाओं के साथ समय बिताया। अपनी यात्रा की झलकियां इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए कुब्रा ने लिखा है, 'साहसिक यात्रा तब नहीं होती जब आप इसके बारे में सपना देखते हैं, बल्कि तब होती है जब आप अपने कैलेंडर पर एक तारीख चुनते हैं और उसे पूरा करने का संकल्प करते हैं। इस यात्रा ने मुझे यह याद दिलाया कि मैं साहस को क्यों चुनती हूं, इसलिए नहीं कि मैं निडर हूं, बल्कि इसलिए क्योंकि मैं डर को पार करना सीख रही हूं। जब आप जीवन को जीवन शक्ति के साथ चुनते हैं, तो सब कुछ बदल जाता है।' कुब्रा ने यह भी बताया कि इस अभियान के दौरान वे कई लोगों से मिली, लेकिन उन्हें सबसे ज़्यादा प्रभावित किया 19 वर्षीय तामार ने। तामार ने कुब्रा को उनके 19 वर्षीय सेल्फ से मिलवाया और याद दिलाया कि साहस क्या होता है, बजाय इसके कि दुनिया हमें संकोच सिखाए।

करण टैकर की भयः द गौरव तिवारी मिस्ट्री ने ऑरमैक्स चार्ट्स पर मारी बाज़ी

करण टैकर की पैरानॉर्मल थ्रिलर सीरीज़ 'भयः द गौरव तिवारी मिस्ट्री' ने ओटीटी की दुनिया में बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। ऑरमैक्स मीडिया के ताज़ा व्यूअरशिप आंकड़ों के मुताबिक, यह सीरीज़ हफ्ते की सबसे ज़्यादा देखी जाने वाली ओरिजिनल फिक्शन सीरीज़ बन गई है। अमेज़न एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम हो रही इस सीरीज़ को करीब 11 लाख दर्शकों ने देखा, और यह सीधे चार्ट्स के शिखर पर जा बैठी। इस कामयाबी को और खास बनाता है शो का सधा हुआ, रहस्यमयी टोन और सीमित प्रमोशन। बिना शोर मचाए, सिर्फ कंटेंट के दम पर दर्शकों तक पहुँचना और वहां अपनी जगह बनाना इस बात का सबूत है कि आज भी ओटीटी पर वर्ड ऑफ माउथ का जादू सिर चढ़कर बोलता है। एक एटमॉस्फेरिक पैरानॉर्मल थ्रिलर के तौर पर पेश की गई यह सीरीज़ जांच-पड़ताल की गंभीरता और मनोवैज्ञानिक तनाव को बड़ी खूबसूरती से जोड़ती है। यहां डर चिल्लाता नहीं, बल्कि धीरे-धीरे रेंगता है। कहानी अनावश्यक हॉरर क्लिशे से दूर रहती है। इसकी सबसे बड़ी ताकत है करण टैकर का वास्तविक जीवन के पैरानॉर्मल इन्वेस्टिगेटर गौरव तिवारी के रूप में संयमित और असरदार अभिनय। आलोचकों और दर्शकों दोनों ने उनके अभिनय की गहराई और सच्चाई की जमकर तारीफ की है। यह सफलता एक बार फिर इस बात को पुख्ता करती है कि करण टैकर आज के ओटीटी स्पेस में किसी लकी चार्म से कम नहीं हैं। 'खाकीः द बिहार चैप्टर' हो, 'स्पेशल ऑप्स' हो या अब 'भय', हर प्रोजेक्ट ने दर्शकों के बीच अपनी मजबूत पहचान बनाई है और चर्चा का हिस्सा बना है।

पायल गेमिंग के सपोर्ट में आई अंजलि अरोड़ा

- बयां किया अपना दर्द; कहा- आज भी हो रहा नुकसान

पायल गेमिंग कथित एमएमएस वीडियो के वायरल होने को लेकर चर्चा में हैं। अभिनेत्री अंजलि अरोड़ा ने उनका सपोर्ट किया है। उन्होंने अपना दर्द भी बयां किया है। इन्फ्लुएंसर और यूट्यूबर पायल गेमिंग इन दिनों कथित एमएमएस के चलते सुर्खियों में हैं। बताया जाता है कि वायरल एमएमएस वीडियो में पायल गेमिंग हैं। हालांकि उन्होंने दावा किया है कि यह एमएमएस उनका नहीं है। इस मामले पर अब एक्ट्रेस अंजलि अरोड़ा की प्रतिक्रिया सामने आई है। अंजलि अरोड़ा ने अपने साथ हुए इसी तरह के एक मामले को याद किया है। उनके मुताबिक ऐसे झूठ का दर्द लड़कियां वर्षों तक झेलती हैं जबकि इसे फैलाने वाले इसके बारे में नहीं सोचते हैं।

अंजलि अरोड़ा ने याद किया अपना दर्द

पायल गेमिंग के मामले को लेकर अंजलि अरोड़ा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट की है। उन्होंने लिखा 'तीन साल पहले मैंने एक फेक एमएमएस वायरल होने का दर्द झेला था। वही चीजें आज पायल के साथ होता देख वह दर्द ताजा हो गया है। लोगों को एहसास नहीं कि उनकी प्रतिक्रिया कितनी नुकसान पहुंचाती है। उनके लिए यह एक मिनट का मनोरंजन है, लेकिन हमारे लिए यह वर्षों का दर्द बन जाता है। झूठे विवादों के चलते मुझे कई प्रोजेक्ट से निकाल दिया गया। आज भी मुझे इसका नुकसान झेलना पड़ रहा है।

आज भी दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है

अभिनेत्री ने आगे लिखा 'अभी भी मुझे मेरे कमेंट सेक्शन में दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है। लोग गंदी भाषा का इस्तेमाल करते हैं। वह यह नहीं सोचते कि मुझ पर इसका क्या असर पड़ेगा। यह परेशान करने वाली बात है कि लोग झूठी चीजों पर तुरंत यकीन कर लेते हैं। ऐसी मानसिकता बहुत खराब होती है। इसे सहा नहीं जा सकता। कोई भी महिला बिना आधार के झूठ झेलने की हकदार नहीं है।'

कौन हैं अंजलि अरोड़ा?

अंजलि अरोड़ा सोशल मीडिया सेंसेशन हैं। वह कई म्यूजिक वीडियोज में नजर आ चुकी हैं। वह रियलिटी शो लॉकअप का हिस्सा रही हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 13 मिलियन फॉलोवर्स हैं। कच्चा बादाम वाला उनका एक वीडियो वायरल हुआ था, जिससे वह मशहूर हुई। इसके बाद उनका कथित एमएमएस वायरल हुआ।

उर्वशी ढोलकिया के नाम 'आईटीए माइलस्टोन अवॉर्ड', अभिनेत्री ने फैंस को किया समर्पित

टेलीविजन की लोकप्रिय अभिनेत्री उर्वशी ढोलकिया ने अपने करियर में कई शोज में काम किया, लेकिन सबसे ज्यादा लोकप्रियता उन्होंने टीवी सीरियल 'कसौटी जिंदगी की' के आइकॉनिक किरदार कोमोलिका से हासिल की थी। हाल ही में आईटीए ने अभिनेत्री को 'माइलस्टोन अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित किया। अभिनेत्री ने सीरियल में कोमोलिका का निगेटिव किरदार निभाया था, जिसे आज भी दर्शक खूब पसंद करते हैं। शो के टेलीकास्ट के समय अभिनेत्री की हेयर स्टाइल और कॉस्ट्यूम काफी मशहूर हुआ करते थे। आईटीए की तरफ से मिले सम्मान से अभिनेत्री काफी खुश हैं। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनके साथ उन्होंने लिखा, 'कोमोलिका सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि तूफान थी।

संदीपा धर का डेनिम के साथ कैजुअल लेकिन कातिलाना लुक

साधारण को असाधारण बना देना हर किसी के बस की बात नहीं, लेकिन संदीपा धर इसे बेहद सहजता से कर दिखाती हैं। फिलहाल हाल ही में सामने आई उनकी डेनिम लुक वाली तस्वीरें इस बात का सबूत हैं कि कैजुअल फैशन भी कितना मोहक और असरदार हो सकता है। नीले डेनिम में सजी संदीपा का अंदाज़ न तो बनावटी है, न ही ज़रूरत से ज़्यादा सजा हुआ। यह लुक उनकी आत्मविश्वास भरी पर्सनैलिटी और सहज खूबसूरती को बखूबी उभारता है। सिंपल सिलुएट, क्लीन स्टाइलिंग और नेचुरल एटीट्यूड से मिलकर बने उनके लुक को और आकर्षक बना रहा है। संदीपा की सबसे बड़ी खासियत यही है कि वह फैशन को अपने ऊपर हावी नहीं होने देतीं, बल्कि उसे अपनी पहचान का हिस्सा बना लेती हैं। डेनिम जैसे रोज़मर्रा के फैब्रिक में भी उनका एलिगेंस देखते ही बनता है, और वो भी एकदम सटीक और स्टाइलिश। वैसे यह कहना गलत नहीं होगा कि संदीपा धर ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि कैजुअल कभी इतना कातिलाना भी हो सकता है। उनका यह डेनिम मोमेंट फैशन प्रेमियों के लिए इंस्पिरेशन है कि सादगी में भी कितना ग्लैमर छिपा हो सकता है।

एबॉट की वापसी पर नजर, हैमस्ट्रिंग चोट से उबरकर बॉक्सिंग डे पर खेलने की उम्मीद

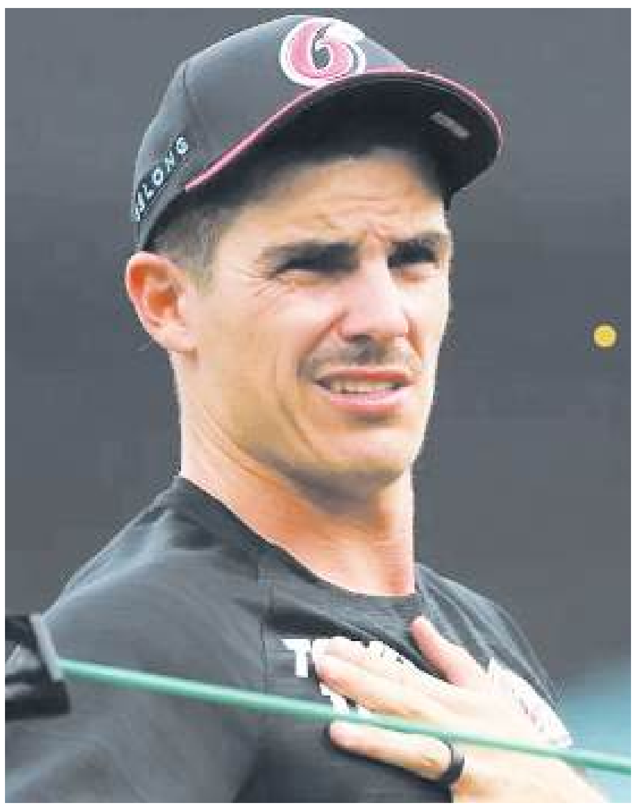

सिडनी : सिडनी सिक्सर्स के अनुभवी तेज गेंदबाज सीन एबॉट ने हैमस्ट्रिंग चोट के बाद वापसी को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। एबॉट ने कहा है कि पिछले छह हफ्ते उनके लिए काफी ह्लनिराशाजनकह्व रहे, लेकिन अब वह बॉक्सिंग डे पर बिग बैश लीग (इइछ) में वापसी के लिए पूरी तरह तैयार होने की दिशा में बढ़ रहे हैं। 33 वर्षीय एबॉट शुरूआती नवंबर में शेफील्ड शील्ड मुकाबले के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट का शिकार हो गए थे। इस चोट के चलते वह एशेज सीरीज की शुरूआत से बाहर हो गए, जबकि उन्हें पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई स्क्वॉड में शामिल किया गया था। चोट लगने से पहले उन्होंने न्यू साउथ वेल्स की ओर से विक्टोरिया के खिलाफ पांच विकेट झटके थे। उसी दिन ऑस्ट्रेलिया के सीनियर तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड भी हैमस्ट्रिंग चोट से जूझ गए थे, जिसके कारण उनका एशेज अभियान समाप्त हो गया। एबॉट ने हेजलवुड के साथ मिलकर एससीजी और क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स के सिल्वरवॉटर ट्रेनिंग बेस पर रिहैब पूरा किया है।सिडनी थंडर के खिलाफ ह्यसिडनी स्मैशह्व में सिक्सर्स की जीत के दौरान फॉक्स क्रिकेट से बातचीत में एबॉट ने कहा,ह्लमुझे बस कुछ छोटे-छोटे बॉक्स टिक करने हैं और फिर उम्मीद है कि अगले हफ्ते चयन के लिए खुद को उपलब्ध करा पाऊंगा। यह समय काफी निराशाजनक रहा, लेकिन एलीट लेवल पर यह सब खेल का हिस्सा है। अब उम्मीद है कि मैं अगले हफ्ते मैदान पर उतरूंगा और अच्छा प्रदर्शन करूंगा। सिडनी सिक्सर्स की टीम, जिसने बीबीएल सीजन की शुरूआत दो हार के साथ की थी, ने थंडर को 47 रनों से हराकर पहली जीत दर्ज की। टीम का अगला मुकाबला बॉक्सिंग डे पर एससीजी में मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ है। टीम के युवा ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स ने कहा कि एबॉट की वापसी सिक्सर्स के लिए ह्लबहुत बड़ीह्व साबित होगी। एडवर्ड्स के मुताबिक,ह्लवह अनुभव और कौशल का खजाना हैं। गेंदबाजी, बल्लेबाजी और फील्डिंग–तीनों में उनका योगदान अहम होता है। हम उन्हें मिस कर रहे थे और बॉक्सिंग डे पर उन्हें मैदान में देखना बेहद रोमांचक होगा। एबॉट बिग बैश इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले पुरुष गेंदबाज हैं, जिनके नाम 175 विकेट दर्ज हैं। उनकी मजबूत वापसी न सिर्फ सिक्सर्स के लिए अहम होगी, बल्कि भारत और श्रीलंका में होने वाले अगले साल के टी20 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम में उनकी दावेदारी भी मजबूत कर सकती है।

चोट के चलते तीन महीने तक क्रिकेट से दूर हुई सुजी बेट्स

वेलिंगटन : न्यूजीलैंड की अनुभवी ओपनर बल्लेबाज सुजी बेट्स चोट के चलते अगले तीन महीनों तक क्रिकेट से दूर रहेंगी। उन्हें क्वाड्रिसेप मसल में गंभीर खिंचाव (टियर) हुआ है, जिसके कारण वह घरेलू समर सीजन से लेकर मार्च तक मैदान पर नहीं उतर पाएंगी। यह चोट सुजी बेट्स को पिछले महीने एक शील्ड मुकाबले के दौरान फील्डिंग करते समय लगी थी। इसके बाद कराए गए स्कैन में पुष्टि हुई कि मांसपेशी में गंभीर टियर है, जिसके चलते पूर्व कप्तान को करीब तीन महीने के रिहैबिलिटेशन की आवश्यकता होगी।

चोट की वजह से सुजी बेट्स ओटागो की घरेलू समर सीजन के शेष मुकाबलों के साथ-साथ फरवरी में जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली घरेलू सीरीज में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगी। अब उनकी निगाहें मार्च में साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली व्हाइट-बॉल सीरीज के जरिए वापसी पर टिकी हैं।

सुजी बेट्स ने कहा, ह्लइस समर सीजन को मिस करना मेरे लिए बेहद निराशाजनक है। मैं स्पार्क्स के साथ एक और सीजन, खासकर सुपर स्मैश खेलने को लेकर काफी उत्साहित थी। अब मेरा पूरा ध्यान मार्च में व्हाइट फर्न्स के लिए मैदान पर वापसी करने पर है। न्यूजीलैंड टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि बेट्स पूरी तरह फिट होकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में टीम को मजबूती प्रदान करेंगी।

फिर वोटर सूची में गड़बड़ी, बीरभूम में जीवित महिला को बताया गया मृत

एजेंसी

कोलकाता : ड्राफ्ट वोटर सूची संशोधन प्रक्रिया को लेकर एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया है। हुगली के बाद अब बीरभूम जिले के सिउड़ी से गंभीर आरोप सामने आए हैं। यहां एक जीवित महिला को ड्राफ्ट वोटर सूची में मृत बताया गया है। सिउड़ी के विधायक विकास राय चौधरी का आरोप है कि सिउड़ी नगरपालिका के छह नंबर वार्ड की निवासी गंगा माल जीवित हैं, इसके बावजूद ड्राफ्ट वोटर सूची में उन्हें मृत दिखा दिया गया। उन्होंने कहा कि यह कोई अकेली घटना नहीं है। एसआईआर प्रक्रिया के जरिए योजनाबद्ध तरीके से आम लोगों को परेशान किया जा रहा है। बड़ी संख्या में वैध मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाने की आशंका भी पैदा हो गई है। गंगा माल की बेटी देवी मंडल ने बताया कि उनके बूथ के लिए नियुक्त बीएलओ एक बार भी उनके घर नहीं आए। उनका आरोप है कि इलाके के एक खास स्थान से गणना पत्र इकट्ठा किए गए और स्थानीय तृणमूल कार्यकर्ताओं की मदद से फॉर्म भरवाकर बाद में बीएलओ के घर जमा कर दिए गए। देवी ने बताया कि उनकी मां की उम्र करीब 70 वर्ष है। वह शारीरिक रूप से काफी अस्वस्थ हैं और चलने-फिरने में असमर्थ हैं। इसी कारण वह खुद जाकर फॉर्म जमा नहीं कर सकीं। हालांकि गणना पत्र में मां का अंगूठे का निशान था और वही फॉर्म उन्होंने खुद जमा किया था। ड्राफ्ट वोटर सूची जारी होने के बाद जब मां का नाम सूची में नहीं मिला, तब बीएलओ से संपर्क किया गया, लेकिन कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया। देवी को आशंका है कि यदि वोटर सूची से नाम हटा दिया गया तो उनकी मां वृद्धावस्था पेंशन, राशन और अन्य सरकारी योजनाओं से भी वंचित हो सकती हैं। उन्होंने जल्द से जल्द नाम सुधार की मांग की है। इस मामले पर विधायक विकास राय चौधुरी ने कहा कि उनकी पार्टी संबंधित परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने यह भी बताया कि तिलपाड़ा पंचायत क्षेत्र में भी एक स्थायी निवासी को मतदाता सूची में स्थानांतरित दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि हर वैध मतदाता का नाम वोटर सूची में रहे, यह सुनिश्चित करने के लिए तृणमूल कांग्रेस सभी जरूरी कदम उठाएगी। गौरतलब है कि इससे पहले पश्चिम बर्धमान जिले के आसनसोल के बाराबनी विधानसभा क्षेत्र में भी दो बुजुर्ग जीवित होने के बावजूद चुनाव आयोग की सूची में एक को मृत और दूसरे को लापता बताया गया था। अब बीरभूम से भी इसी तरह का मामला सामने आने के बाद वोटर सूची संशोधन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

Meeting of
General (Media),
mission of India
Meeting with
ELECTRONIC
AL MEDIA

मध्य प्रदेश में कड़ाके की ठंड का दौर जारी, शहडोल का कल्याणपुर सबसे ठंडा, लुढ़का रात का पारा

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। साथ ही सुबह और शाम को घना कोहरा छा रहा है, जिससे सड़क, रेल और हवाई यातायात पर असर पड़ रहा है। राज्य में शीत लहर की स्थिति बनी हुई है। विशेष रूप से पश्चिमी और उत्तरी मध्य प्रदेश में ठंडी उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी नीचे दर्ज किया गया है। रविवार को ग्वालियर-चंबल समेत आधे प्रदेश में घना और मध्यम कोहरा रहा। वहीं, शहडोल का कल्याणपुर पूरे प्रदेश में सबसे ठंडा है। सोमवार की सुबह भी 16 जिलों में कोहरे का असर देखा गया है। कोहरे की वजह से दिल्ली से आने वाली ट्रेनों पर भी असर पड़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, हिमालयी क्षेत्र में एक्टिव वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) आगे बढ़ गया है। इस वजह से फिर से सर्द हवाएं चलने लगी हैं। वहीं, कश्मीर के गुलमर्ग और सोनमर्ग पर बर्फबारी हो रही है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भी मौसम बदला हुआ है। यहां से सर्द हवाएं मध्?य प्रदेश में आ रही है। जिससे यहां के शहरों में भी ठंड का असर बढ़ा है। रविवार सुबह ग्वालियर, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, मैहर, उमरिया, शहडोल, कटनी, जबलपुर, शिवपुरी, अशोकनगर, सागर, दमोह में कोहरे का असर देखा गया। कुछ जगह तो विजिबिलिटी 200 मीटर से भी कम रही। दूसरी ओर, प्रदेश के शहडोल जिले का कल्याणपुर सबसे ठंडा रहा। यहां रविवार की रात में तापमान 3.4 डिग्री रहा। वहीं, उमरिया में 4.7 डिग्री, पचमढ़ी में 4.8 डिग्री, खजुराहो में 6 डिग्री, मलाजखंड में 6.1 डिग्री, रीवा में 7 डिग्री, बैतूल में 7.2 डिग्री, रायसेन में 7.4 डिग्री, छिंदवाड़ा-मंडला में 7.5 डिग्री, नौगांव-नरसिंहपुर में 8 डिग्री, दतिया में 8.9 डिग्री, शिवपुरी में 9 डिग्री, खरगोन-सिवनी में 9.4 डिग्री और सतना में पारा 9.7 डिग्री रहा। 5 बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 6.8 डिग्री, इंदौर में 7.5 डिग्री, ग्वालियर में 9.3 डिग्री, उज्जैन में 10.5 डिग्री और जबलपुर में पारा 8.2 डिग्री दर्ज किया गया। सोमवार सुबह ग्वालियर, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, दमोह, पन्ना, कटनी, सतना, मैहर, उमरिया, शहडोल, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज और रीवा में कोहरे का असर देखा जा रहा है। भोपाल, इंदौर में मध्यम कोहरा है। कोहरे की वजह से दिल्ली की ओर से आने वाली ट्रेनों पर सबसे ज्यादा असर है। इंदौर, भोपाल, ग्वालियर-उज्जैन की ओर आने वाली ट्रेनें अपने समय पर नहीं आ रही है। मालवा, झेलम, शताब्दी, सचखंड, पंजाब मेल जैसी कई ट्रेनें तय समय से 8 घंटा तक लेट आ रही है।

यात्रियों की शिकायत पर रेलवे का फैसला, स्टेशनों पर विज्ञापन जिंगल बंद

एजेंसी

खड़गपुर : यात्रियों की लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए रेलवे ने बड़ा फैसला लिया है। खड़गपुर रेल मंडल के अंतर्गत आने वाले विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर बजाए जा रहे विज्ञापन जिंगल को रविवार रात जारी आधिकारिक सूचना के बाद तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। रेलवे के इस कदम से यात्रियों को काफी राहत मिली है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, खड़गपुर मंडल के कई स्टेशनों पर लंबे समय से लगातार विज्ञापन जिंगल प्रसारित हो रहे थे। इससे यात्रियों को न केवल मानसिक असुविधा हो रही थी, बल्कि आवश्यक रेलवे घोषणाएं भी कई बार स्पष्ट रूप से सुनाई नहीं देती थीं। यात्रियों का कहना था कि लगातार शोर के कारण ट्रेन के आगमन और प्रस्थान की सही जानकारी समय पर नहीं मिल पाती थी, जिसके चलते कुछ यात्रियों की ट्रेन तक छूट गई। बीते कुछ दिनों में इस संबंध में रेलवे को विभिन्न माध्यमों से बड़ी संख्या में शिकायतें प्राप्त हुई थीं। शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए रेलवे अधिकारियों ने पूरे मामले की समीक्षा की। इस क्रम में संबंधित विज्ञापन प्रसारण से जुड़े टेंडर की भी जांच की गई। समीक्षा के बाद रेलवे ने यात्रियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उक्त विज्ञापन टेंडर को रद्द करने का निर्णय लिया। रेलवे द्वारा रविवार रात आधिकारिक रूप से सूचना जारी किए जाने के बाद खड़गपुर मंडल के स्टेशनों पर केवल ट्रेन के आगमन, प्रस्थान और सुरक्षा से जुड़ी आवश्यक घोषणाएं ही प्रसारित की जा रही हैं। इससे स्टेशनों पर अनावश्यक शोर-शराबे में कमी आई है और यात्रियों को अपेक्षाकृत शांत माहौल मिल रहा है।

हरे निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 447 अंक उछला

एजेंसी

नई दिल्ली : हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। शुरूआती कारोबार में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 447.34 अंक यानी 0.53 फीसदी की उछाल के साथ 85,376.70 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 153.25 अंक यानी 0.59 फीसदी की बढ़त के साथ 26,119.65 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। बाजार में आज के कारोबार में मेटल और आईटी शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी देखने को मिल रही है। बैंक और फार्मा शेयर में उछाल है। शुरूआती कारोबार में भारतीय मुद्रा रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 22 पैसे बढ़कर 89.45 पर पहुंच गया। एशियाई शेयर बाजारों में कोरिया का कोस्पी 1.86 फीसदी ऊपर 4,095 पर और जापान का निक्केई इंडेक्स 1.97 फीसदी ऊपर 50,480 पर कारोबार कर रहा है। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.28 फीसदी चढ़कर 25,763 पर है। चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.71 फीसदी बढ़कर 3,917 पर है। उल्लेखनीय है कि पिछले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन, शुक्रवार को बीएसई का सेंसेक्स 447.55 अंकों यानी 0.53 फीसदी की बढ़त के साथ 84,929.36 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं ,एनएसई का निफ्टी 150.85 अंक चढ़कर 25,966.40 के स्तर पर बंद हुआ था।

बटद्रवा परियोजना का मुख्यमंत्री ने किया निरीक्षण, 29 को अमित शाह करेंगे उद्घाटन

नगांव (असम) : असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने सोमवार को बटद्रवा का दौरा कर ऐतिहासिक आकाशीगंगा नदी के तट पर निर्मित हो रही बटद्रवा परियोजना का निरीक्षण किया। बटद्रवा परियोजना का औपचारिक उद्घाटन आगामी 29 दिसंबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा किया जाएगा। आज निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। अधिकारियों ने उन्हें परियोजना के विभिन्न घटकों, चल रहे कार्यों और तय समयसीमा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। यह परियोजना क्षेत्र की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण के साथ-साथ पर्यटकों के लिए बेहतर बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के विकास को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है। यह परियोजना पूर्ण होने के बाद असम में धार्मिक आस्था और विरासत पर्यटन के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभरने की

माइनर के पानी से नाले का ओवरफ्लो, अन्नदाता तबाह

सैकड़ों बीघा फसल जलमग्न किसानों में भारी आक्रोश

एजेंसी

औरैया : उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में अजीतमल तहसील क्षेत्र के महेवाझभदसानझबिलावा माइनर में छोड़े गए पानी और उससे जुड़े नाले के ओवरफ्लो ने तहसील क्षेत्र के किसानों की कमर तोड़ दी है। भदसान से मिश्रीपुर तक जाने वाले नाले में अत्यधिक पानी आने से शाहपुर बेंदी, चिटकापुर, गाजीपुर, भवानी प्रसाद कश्यप नगर, डेरा बंजारन और बिलवा मौजा सहित कई गांवों के खेत जलमग्न हो गए हैं। सैकड़ों बीघा में खड़ी सरसों, गेहूं और आलू की फसलें पानी में डूबने से किसानों में भारी आक्रोश और चिंता व्याप्त है। ग्रामीणों के अनुसार शाहपुर बेंदी में माइनर का पानी तालाब में पहुंचा, लेकिन चकसत्तापुरझहैदलपुर की ओर जलनिकासी बाधित होने के कारण पानी आगे नहीं निकल सका। तालाब ओवरफ्लो होते ही भदसान से मिश्रीपुर तक जाने वाला नाला भी भर गया और पानी आसपास के खेतों में फैल गया। लगातार दोझतीन दिनों तक पानी आने से हालात भयावह हो गए। मजबूरन किसान रातझरात भर फावड़ा लेकर पानी निकालने में जुटे रहे, लेकिन तब तक फसलें पूरी तरह बर्बाद हो चुकी थीं। इस आपदा से शाहपुर बेंदी गांव के किसान श्रीकृष्ण शर्मा, रामचंद्र, संजू, अमित कुमार, वेद प्रकाश शर्मा, प्रमोद, जैसीराम, दीपक कुमार, छोटे खान, संजू तिवारी समेत अनेक किसानों की फसलें प्रभावित हुई हैं। किसानों का कहना है कि यह समस्या कोई नई नहीं है। वर्षों से भदसानझमिश्रीपुर नाले की सफाई और जलनिकासी की अनदेखी के चलते हर साल खेत जलमग्न होते हैं, लेकिन आज तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया।

इस संबंध में सिंचाई विभाग के एक्सईएन संजय ने बताया कि यह मामला भोगनीपुर प्रखंड की निचली गंग नहर से जुड़े माइनर का है, जिसका कार्यालय इटावा में स्थित है। किसानों के हित में संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर समस्या के समाधान का प्रयास किया जा रहा है। सिंचाई पर्यवेक्षक शशिकांत चतुर्वेदी ने कहा कि सूचना मिलते ही इटावा कार्यालय से बात की गई है और तत्काल प्रभाव से माइनर में छोड़े गए पानी को रुकवाया जाएगा। वहीं जूनियर इंजीनियर ब्रजभान कुमार ने बताया कि फिलहाल नहर के गेट बंद कर पानी रोका गया है तथा यह स्पष्ट किया जाएगा कि मामला नाले का है या माइनर का, ताकि उसी के अनुसार स्थायी समाधान किया जा सके। खबर लिखे जाने तक कई स्थानों पर पानी का बहाव जारी था।

पीयू की बीएससी परीक्षाएं 6 जनवरी से, पीजी की 7 जनवरी से शुरू होंगी

एजेंसी

जौनपुर : यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय से संबद्ध गाजीपुर और जौनपुर के महाविद्यालयों के विद्यार्थी एलएलबी और एमएड परीक्षाओं के लिए आज (सोमवार) तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्नातक और स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाओं का कार्यक्रम भी जारी कर दिया है। बीएससी की परीक्षाएं 6 जनवरी से, जबकि एमकॉम की 6 जनवरी से, एमए की 7 जनवरी से और एमएससी की परीक्षाएं 8 जनवरी से शुरू होंगी। इस संबंध में सोमवार को परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि समर्थ पोर्टल के माध्यम से स्नातक व स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर के एलएलबी, एलएलएम, बीएड, एमएड, बीपीएड, बीपीई, बी लिब, बीएससी कृषि, एमएससी कृषि आदि पाठ्यक्रमों के परीक्षा फॉर्म भरे जा रहे हैं। इसके लिए पोर्टल को सक्रिय कर दिया गया है। इन विषयों के लिए परीक्षा फॉर्म सोमवार तक स्वीकार किए जाएंगे।प्रथम चरण में, सभी महाविद्यालयों को संबंधित पाठ्यक्रमों, विषयों और पेपर का सही चयन आज मध्य रात्रि 12 बजे तक अनिवार्य रूप से पूरा करना होगा। यह सुनिश्चित करना महाविद्यालयों की जिम्मेदारी है।विश्वविद्यालय प्रशासन ने बीएससी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 6 जनवरी से शुरू करने की तिथि तय की है। ये सभी परीक्षाएं लगातार चलेंगी और दो पेपरों के बीच कोई अंतराल नहीं होगा।इसी प्रकार, स्नातकोत्तर (एमए) के सेमेस्टर की परीक्षाएं 7 जनवरी से कराने की तैयारी है। एमएससी सेमेस्टर की परीक्षाएं 8 जनवरी से शुरू होंगी, जिसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने कार्यक्रम जारी किया है। एमकॉम सेमेस्टर की परीक्षाएं भी 6 जनवरी से शुरू होंगी।ये सभी परीक्षाएं मूल रूप से दिसंबर में होनी थीं। हालांकि, समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण नहीं हो पाने के कारण परीक्षाएं शुरू नहीं हो सकी थीं। काफी प्रयासों के बाद समर्थ पोर्टल पर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर

मप्र: आज मिलेगी रीवा-इंदौर विमान सेवा की सौगात,

भोपाल : उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल और नगरीय विकास, आवास एवं संसदीय कार्य विभाग मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की उपस्थिति में मध्य प्रदेश के रीवा एयरपोर्ट से आज (सोमवार को) रीवा-इंदौर विमान सेवा का शुभारंभ होगा। रीवा से इंदौर हवाई सेवा विन्ध्य क्षेत्र की कनेक्टिविटी को नई गति देगा तथा विकास, व्यापार और पर्यटन के अवसरों को सशक्त बनाएगा। इससे विन्ध्य क्षेत्र के इंदौर में निवासरत हजारों नागरिकों को बेहतर सुविधा मिलेगी और इंदौर विमानतल से मुंबई, दिल्ली, जयपुर, अहमदाबाद, बैंगलोर आदि शहरों के साथ ही विदेशों के लिए भी सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। इस हवाई सेवा से विन्ध्य क्षेत्र के सतना, सीधी, शहडोल, मऊगंज आदि क्षेत्रों के नागरिकों को व्यापार, व्यवसाय के साथ ही विद्यार्थियों को शिक्षा में सुविधा भी मिलेगी। रीवा से इंदौर के लिये एटीआर 72 विमान उड़ान भरेगा।

न्यूज IN ब्रीफ

घर की छत से गिरकर महिला की मौत

फतेहपुर : उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में बीती रात घर की पेशाब करने के लिए गई महिला की छत से गिरकर मौत हो गयी। घटना की सूचना पुलिस को हुई तो मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मलवां थाना क्षेत्र के ओझा खरसेनपुर गांव निवासी कामता की पत्नी राधा देवी(45) देर रात छत पर भोजन करके वही सो गई। रात में पेशाब करने के लिए कमरे से निकली और वह नीचे गिर गयी। घायल अवस्था मे परिजन इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर जा रहे थे। तभी रास्ते में ही उसकी मौत हो गयी। थानाध्यक्ष राजकिशोर सरोज ने बताया कि घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू की है। यदि कोई शिकायत मिलती है जो उसके अनुसार जांच कर कार्रवाई की जायेगी।

बांग्लादेश में जेल से रिमांड पर ले जाते समय अवामी लीग नेता की मौत

ढाका : बांग्लादेश के जेल अधिकारियों ने बताया कि गाजीपुर की कासिमपुर सेंट्रल जेल से रिमांड पर ले जाते समय कल एक अवामी लीग नेता की मौत हो गई। मृतक की पहचान गोपालगंज के तुंगीपारा उपजिला के उत्तर बाशबारिया गांव के 43 वर्षीय वासिकुर रहमान बाबू के रूप में हुई है। वह बड्डा थाना छात्र लीग के पूर्व अध्यक्ष थे और बड्डा थाना अवामी लीग के युवा और खेल सचिव के रूप में काम करते थे। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, काशिमपुर सेंट्रल जेल-2 के अधीक्षक अल मामून ने बताया कि बाबू की मौत हृदयाघात से हुई। जेल अधिकारियों के अनुसार, बाबू को 24 सितंबर को राजधानी के पंथापथ इलाके में एक जुलूस में कथित तौर पर शामिल होने के आरोप में आतंक विरोधी अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। तीन दिन बाद उन्हें काशिमपुर सेंट्रल जेल-2 में स्थानांतरण कर दिया गया था। बाद में एक अदालत ने पुलिस को तीन दिन का रिमांड सौंपा। अल मामून ने बताया कि कल दोपहर एक पुलिस टीम बाबू को पूछताछ के लिए हिरासत में लेने जेल पहुंची। उसे जेल के कक्ष में ले जाया गया और उसे बैठने के लिए कहा गया। जेल अधीक्षक ने कहा, ₹उसी समय, वह अचानक कुर्सी से गिर गया और बेहोश हो गया।₹ बाबू को तुरंत गाजीपुर के शहीद ताजुद्दीन अहमद मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

एनजेपी जीआरपी की बड़ी कार्रवाई, जाली नोट तस्करी का भांडाफोड़

सिलीगुड़ी : एनजेपी जीआरपी की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) टीम को बड़ी सफलता मिली है। ट्रेन के जरिए हो रही जाली नोटों की तस्करी का खुलासा करते हुए पुलिस ने कामाख्याझअगरतला एक्सप्रेस से एक यात्री को गिरफ्तार किया है। आरोपित के पास से कुल 2 लाख 74 हजार 500 के जाली नोट बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार यात्री की पहचान एमडी अकरम अनवर (27) के रूप में हुई है, जो बिहार के पूर्णिया जिले का निवासी बताया गया है। जीआरपी सूत्रों के अनुसार, आरोपित कामाख्या स्टेशन से ट्रेन में सवार हुआ था। एनजेपी रेलवे स्टेशन पर पहले से सतर्क एसओजी टीम ने अभियान चलाया हुआ था। रविवार देर शाम को जब कामाख्याझअगरतला एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म नंबर तीन पर पहुंची, तब टीम ने ट्रेन के अंदर तलाशी अभियान चलाया। संदेह के आधार पर आरोपित को हिरासत में लेकर तलाशी ली गई, जिसमें उसके बैग से काले रंग के पांच पैकेट बरामद हुए। जांच में सभी नोट जाली पाए गए।प्राथमिक पूछताछ में आरोपित ने बताया कि उसे व्हाट्सएप के जरिए एक अज्ञात नंबर से संपर्क किया गया था। कामाख्या में एक व्यक्ति ने उसे जाली नोटों के बंडल सौंपे और बिहार पहुंचाने को कहा था। जीआरपी पूरे मामले की गहन जांच कर रही है।

महोबा में रंजिश को लेकर भतीजे ने चाचा का किया कत्ल, एसपी ने लगाई चार टीमें

महोब : बुंदेलखंड के महोबा जिले में भतीजे ने पुरानी रंजिश के चलते चाचा की गोली मारकर हत्या कर दी, जिसको लेकर इलाके में सनसनी फैल गई।वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित मौके से फरार हो गया।एसपी ने पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंच घटना स्थल का निरीक्षण कर जानकारी हासिल की। साक्ष्य संकलन के लिए फील्ड यूनिट एवं फोरेंसिक टीम को लगाया गया है। तो वहीं आरोपित की गिरफ्तारी के लिए चार टीमों का गठन किया है। जनपद के कबरई थाना क्षेत्र के गांव गुगौरा निवासी गुलाब सिंह परिहार (60) जनपद मुख्यालय में अपने परिवार के साथ निवास करते थे। रविवार को खेत की सिंचाई कराने के लिए गांव गए थे। जहां भतीजा मोनू सिंह वहां पहुंच गया और तमंचे से चाचा पर जानलेवा फायर कर दिया। सिर व सीने में गोली लगने से गुलाब सिंह घायल होकर गिर गए। तभी मौका पाकर आरोपी मौके से फरार हो गया।सूचना पर पहुंचे परिजन गुलाब सिंह को गंभीर हालत में उपचार के लिए जिला अस्पताल लाए जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सोमवार को अपर एसपी वंदना सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि लगभग 30 वर्ष पूर्व आरोपित के पिता की हत्या में मृतक गुलाब सिंह का नाम आया था। जिसको लेकर आरोपित खुन्नस मानता था। लोगों से पूछताछ के अनुसार उसने पुरानी रंजिश को लेकर ही सनसनीखेज वारदाता को अंजाम दिया है। स्थानीय पुलिस के साथ फील्ड यूनिट एवं फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल पर जांच पड़ताल की है। आरोपित की गिरफ्तारी के लिए थाना कबरई, पनवाड़ी, चरखारी व खन्ना की चार टीमों का गठन किया मृतक के बेटे शिवम सिंह ने बताया कि चचेरे भाई मोनू सिंह ने पिता को गोली मारी है।पूर्व में भी वह पिता को जान से मारने की कोशिश कर चुका है लेकिन वह सफल नहीं हो सका। लेकिन देर शाम मौका पाकर उसने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी।मृतक के परिजनों के अनुसार पूर्व नियोजित साजिश के तहत पिता को गांव बुलाया गया, जहां हत्या की वारदात में मृतक के भाई वीरेंद्र सिंह की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री -सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय सिन्हा जनता दरबार में आज ऑन स्पॉट लेंगे फैसला

पटना : राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग से जुड़ी महत्वपूर्ण सेवाएं आमलोगों को समय सीमा में उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज मुजफ्फरपुर में भूमि सुधार जन कल्याण संवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप मुख्यमंत्री-सह-मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग विजय कुमार सिन्हा करेंगे। यह आयोजन डॉ भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय परिसर स्थित श्री कृष्ण सिंह प्रेक्षागृह में दो पालियों में संपन्न होगा। प्रथम पाली में पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 2:30 बजे तक भूमि सुधार जन कल्याण संवाद आयोजित किया जाएगा, जिसमें राजस्व से संबंधित ऑनलाइन सेवाओं, समस्याओं और उनके समाधान पर आमलोगों की शिकायतें सुनी जाएंगी। अंचलाधिकारी और राजस्व कर्मचारी को पीड़ित के सामने बैठाकर समस्या पर चर्चा होगी। इस सत्र में राजस्व विभाग से संबंधित सभी पदाधिकारी, राजस्व कर्मचारी के साथ आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी रहेगी। शिकायतकर्ताओं का रजिस्ट्रेशन 09 बजे से 10 .30 बजे तक किया जाएगा। आवेदन के साथ अपना नाम, स्पष्ट पता और मोबाइल नंबर जरूर डालने की अपील की गई है। इससे कार्रवाई की जानकारी मैसेज से मिलती रहेगी। द्वितीय पाली में अपराह्न 3:30 बजे से 5:00 बजे तक राजस्व विभाग के पदाधिकारियों एवं कर्मियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में जिले के अपर समाहर्ता, सभी भूमि सुधार उप समाहर्ता, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, बन्दोबस्त पदाधिकारी, सभी अंचलाधिकारी, राजस्व अधिकारी एवं राजस्व कर्मचारी शामिल होंगे। बैठक में दाखिलझखारिज, परिमार्जन प्लस, ई मापी समेत सभी ऑनलाइन सेवाओं की स्थिति की आंकड़े से समीक्षा की जाएगी। इस दौरान अभियान बसेरा 2 की भी स्थिति की विशेष रूप से समीक्षा की जाएगी। भूमि सुधार जन कल्याण संवाद के माध्यम से माननीय उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा की मंशा है कि दाखिलझखारिज, परिमार्जन प्लस और ई मापी समेत अन्य सभी ऑनलाइन सेवाएं समय सीमा में उपलब्ध कराने से भू अभिलेख अपडेट होंगे और भूमि विवाद में भी कमी आएगी। इससे प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक संवेदनशील, पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जा सकेगा।

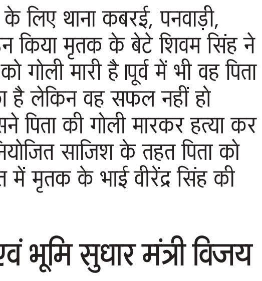

न्यूज IN ब्रीफ

श्रद्धा, निष्ठा और आस्था का अनुपम स्थल है ठाकुर गांव में अवस्थित ऐकैसी महादेव मंदिर

ज्योति पाठक : राजधानी रांची से लगभग 31 किलोमीटर दूर अवस्थित राज्य के समृद्ध गांव ठाकुर गांव में स्थित ऐकैसी महादेव मंदिर भक्तजनोंऔर श्रद्धालुओं का आकर्षण का केंद्र हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि इस मंदिर में भोलेनाथ अवस्थित हैं साथ ही साथ की यहां की नदी में कई स्थलों पर 21 शिवलिंग स्थित है जो निश्चित तौर पर काफी आलौकिक श्रद्धा और निष्ठा का अनुपम स्थल है। बरसात के दिनों में नदी का जल प्रवाह मंदिर परिसर तक आता है जो निश्चित तौर पर काफी अद्वितीय है।इस मंदिर में हमेशा भक्तजनोंऔर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है।

पुरानी अदावत में की गई थी प्रेम यादव की हत्या

धनबाद : प्रेम यादव हत्याकांड का धनबाद पुलिस ने रविवार को खुलासा कर दिया है. साथ ही पुलिस ने वारदात में शामिल तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है. इसकी पुष्टि धनबाद के सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने की है.

सिटी एसपी ने बताया कि बीते 18 नवंबर को झरिया के कतरास मोड़ के पास बाइक सवार अपराधियों ने प्रेम यादव की गोली मारकर हत्या कर दी थी. मामले में मृतक के पिता द्वारा झरिया थाना में आवेदन दिया गया था. जिसपर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की थी. मामला दर्ज होने के बाद एसएसपी ने एक विशेष अनुसंधान टीम गठित की थी.

पुलिस टीम ने अनुसंधान के क्रम में कांड में संलिप्त दो अभियुक्तों रोहित कुमार सिंह और कुनाल कुमार को महाराष्ट्र के कोल्हापुर से और एक अन्य अभियुक्त आकाश गोप को बिहार के वैशाली से गिरफ्तार किया है.

गिरफ्तार अभियुक्तों की निशानदेही पर पुलिस ने हत्याकांड में प्रयुक्त पिस्टल, एक देशी कट्टा, एक मैगजीन, 03 जिंदा गोली, मोटरसाइकिल और घटना के समय पहने हुए कपड़े बरामद कर लिया है.

सिटी एसपी ने बताया कि मोटरसाइकिल सवार अज्ञात अपराधियों द्वारा गोली मारकर प्रेम यादव की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी. मृतक प्रेम यादव बिहार का रहने वाला था. हत्या के बाद आरोपी फरार हो गए थे.

सिटी एसपी ने बताया कि उक्त घटना का मूल कारण प्रेम कुमार और अभियुक्तों के बीच पूर्व का विवाद था. उन्होंने बताया कि कांड के उद्भेदन में शामिल सभी पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों को उनके अच्छे कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र और नगद पुरस्कार से पुरस्कृत किया जाएगा.

मनरेगा में बदलाव का सीपीआई ने किया विरोध

जमशेदपुर : महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) में बदलावों का भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) एवं भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने विरोध किया है। इधर, भाकपा एवं माकपा द्वारा बिरसा चौक (साकची) में एक संयुक्त विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम के तहत नुक्कड़ सभा एवं केंद्र सरकार का पुतला दहन किया गया। वाम दलों ने कहा कि, केंद्र सरकार ने मनरेगा के बुनियादी चरित्र को बदलने का एक गलत प्रयास किया है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव अंबुज कुमार ठाकुर ने बताया कि, मनरेगा एक सार्वभौमिक और काम करने का सीमित अधिकार देने वाला कानून था, जिसे वामपंथी दलों की पहल के कारण यूपीए सरकार के 'साझा न्यूनतम कार्यक्रम' के तहत 2005 में लागू किया गया था।

पौष पार्बन के समापन पर शिविर में 35 यूनिट रक्त संग्रह

धनबाद : हीरापुर स्थित लिंड्से क्लब एवं लाइब्रेरी के प्रांगण में तीन दिवसीय पौष पार्बन मेला के समापन पर रक्तदान शिविर लगाया गया। रविवार को मुख्य अतिथि ईसीएल बीसीसीएल की तकनीकी निदेशक हिमाद्री राय को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने सभी को पौष पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में गुरुसुर नृत्य संघ, ऋषिता सेनगुप्ता ने बहुत ही शानदार बांग्ला बांग्ला सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। कोलकाता से आए हुए मैनाक बांग्ला बैंड द्वारा पारंपरिक सांस्कृतिक लोकप्रिय लोकसंगीत पेश किया गया। इस दौरान फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पानेवाले बच्चों को पुरस्कृत किया।

सुबह 10 बजे से रक्तदान शिविर का आयोजन क्लब एवं एसएनएमएमसीएच के सहयोग से आयोजित किया गया था, जिसमें 35 यूनिट रक्त जरूरतमंदों के लिए संरक्षित हुए।

पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार ने दिया आश्वासन

धनबाद में भटिंडा फॉल और तोपचांची झील पर्यटन स्थल के रूप में होगा विकसित

संवाददाता

धनबाद : झारखंड सरकार में पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार रविवार को धनबाद पहुंचे। जिले के बरवाअड्डा थाना क्षेत्र आठ लेन हाइवे के पास मौजूद बिरसा मुंडा पार्क में पहुंचकर उन्होंने वंडर ब्लूम एंड एडवेंचर पार्क का उद्घाटन किया। इस दौरान मंत्री विधायक राज सिन्हा के साथ भटिंडा फॉल भी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने फॉल के वर्तमान स्थिति की जानकारी भी ली। मंत्री सुदिव्य कुमार ने फॉल का जायजा लेकर राज्य के पर्यटन सूची में भटिंडा फॉल को शामिल करने की बात कही है। मीडिया से बातचीत के दौरान मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि भटिंडा फॉल की खूबसूरती को खुद देखना चाहता था। उन्होंने कहा कि फॉल में सुविधाओं और अन्य संसाधन की जरूरत है, उसे समझने की कोशिश की। मंत्री ने कहा कि अधिकारियों से फॉल को लेकर बातचीत भी हुई है। सुदिव्य कुमार ने बहुत जल्द सुविधाओं में बढ़ोतरी और अन्य कई परिवर्तन करने का आश्वासन दिया।

एवियरी पार्क का किया उद्घाटन

पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार ने बिरसा मुंडा पार्क में एवियरी और फ्लावर पार्क का उद्घाटन भी किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि धनबाद वासियों के लिए एवियरी बिल्कुल नई है। कोयलांचल वासियों के लिए यह काफी सुखद एहसास देने वाला होगा। मंत्री ने कहा कि तोपचांची में पर्यटन को सरकार की ओर से एक बड़ा प्रोजेक्ट है, जिसे अंतिम रूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि धनबाद विधायक राज सिन्हा ने सदन में इस ओर ध्यान आकृष्ट कराया था, इसी संदर्भ में उन्होंने आज का ये दौरा किया। उद्घाटन कार्यक्रम में मौजूद धनबाद विधायक राज सिन्हा ने मंत्री के प्रति आभार जताया। विधायक ने कहा इस क्षेत्र को पर्यटन के क्षेत्र में विकसित करने को लगातार विधानसभा में मामला के उठाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री सुदिव्य कुमार का दौरा आज उसी का नतीजा है।

फिर मैराथन में दौड़े पुलिस निरीक्षक आनंद मिश्रा

25 किलोमीटर 02:27: 45 घंटे में पूरा किया

बिनय मिश्रा

जमशेदपुर : खाकी वर्दी में अनुशासन और फिटनेस की मिसाल बने साकची थाना प्रभारी एवं पुलिस निरीक्षक आनंद मिश्रा ने एक बार फिर मैराथन दौड़ में अपनी मजबूत इच्छाशक्ति और जज्बे का परिचय दिया है। रविवार को कोलकाता में टाटा स्टील द्वारा प्रायोजित प्रतिष्ठित टाटा स्टील 25 किलोमीटर मैराथन में उन्होंने सफलतापूर्वक हिस्सा लिया और तय दूरी को 02 घंटे 27 मिनट 45 सेकंड में पूरा कर फिनिश लाइन पार की।

में देशभर से हजारों धावकों ने हिस्सा लिया था। इस चुनौतीपूर्ण दौड़ में पुलिस निरीक्षक आनंद मिश्रा ने न सिर्फ भाग लिया, बल्कि पूरे आत्मविश्वास और संयम के साथ दौड़ पूरी कर जमशेदपुर पुलिस का नाम रोशन किया। उनकी यह उपलब्धि बताती है कि व्यस्त पुलिस सेवा के बावजूद फिटनेस को प्राथमिकता दी जा सकती है। आनंद मिश्रा की इस सफलता पर उनके परिजनों, मित्रों और पुलिस विभाग के वरीय पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई दी है। सभी ने उनके जज्बे की सराहना करते हुए भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन की कामना की है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि ऐसे अधिकारी युवाओं और पुलिसकर्मियों के लिए 6351 प्रेरणा का स्त्रोत होते हैं।

पुलिस निरीक्षक आनंद मिश्रा का कहना है कि नियमित दौड़ और मैराथन में भाग लेने की आदत से उन्हें न सिर्फ शारीरिक फिटनेस बनाए रखने में मदद मिलती है, बल्कि मानसिक मजबूती भी मिलती है। उन्होंने बताया कि फिट शरीर होने से विभागीय जिम्मेदारियों और लक्ष्यों को पूरा करने में भी काफी सहूलियत होती है और काम के प्रति ऊर्जा बनी रहती है।

यह पहली बार नहीं है जब आनंद मिश्रा ने किसी बड़ी मैराथन में हिस्सा लिया हो। इससे पहले भी वे कोलकाता मैराथन, दिल्ली मैराथन, जमशेदपुर हाफ मैराथन और मुंबई फुल मैराथन जैसी प्रतिष्ठित दौड़ों में भाग ले चुके हैं। लगातार मैराथन में भाग लेना उनके खेल प्रेम और अनुशासन को दर्शाता है। खाकी वर्दी के साथ खेल और फिटनेस को संतुलित करना आसान नहीं होता, लेकिन आनंद मिश्रा ने यह साबित कर दिया है कि इच्छाशक्ति हो तो हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उनकी यह उपलब्धि न सिर्फ पुलिस विभाग, बल्कि शहर के युवाओं के लिए भी एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

जाति प्रमाण पत्र पर भी काम करे चुनाव आयोग : डॉ. पवन

संवाददाता

जमशेदपुर : एनसीपी पार्टी के द्वारा झारखंड में होने वाले नगर निकाय चुनाव को लेकर सोमवार को मानगो क्षेत्र में बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मानगो नगर निकाय क्षेत्र के प्रभारी तन्मय सरकार ने किया, जबकि संचालन महानगर अध्यक्ष सौरव ओझा ने किया। बैठक में मुख्य रूप से शामिल एनसीपी के राष्ट्रीय महासचिव (नगर निकाय) डॉ. पवन पांडेय ने कहा कि झारखंड में बहुत जल्द नगर निकाय चुनाव कि घोषणा होने के संकेत मिल रहे हैं। चुनाव आयोग ने मतदाता पुनरीक्षण और एसआईआर शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय चुनाव आयोग को पत्र लिखकर मांग की है कि मतदाता पुनरीक्षण के साथ ही अगर जाति प्रमाण-पत्र निर्गत करवाने की दिशा में काम होता तो बहुत सारे लोग जिनका चुनाव के वक्त जाति प्रमाण-पत्र नहीं होने के कारण अथवा जाति प्रमाण-पत्र में किसी प्रकार कि त्रुटि होने के कारण उनका नामांकन पत्र रद्द हो जाता है और वो अपने चुनाव लडने के अधिकार से वंचित रह जाते हैं। उन्हें इस प्रक्रिया से काफी राहत मिलेगी। क्योंकि भारतीय संविधान में जो व्यक्ति जिस जाति और परम्पराओं का निर्वहन करते हैं उन्हें उन्हीं के अनुसार संविधान में समायोजन किया गया है। लेकिन जाति प्रमाण-पत्र निर्गत नहीं होने के कारण वे अपने समाज में जीते हैं अपनी परम्पराओं का अनुसरण करते हैं, लेकिन अपने संवैधानिक अधिकार से वंचित हो जाते हैं। इसलिए चुनाव आयोग का काम है कि सभी लोग जो लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं, उन्हें चुनाव में हिस्सा लेने में सहयोग किया जाए। इसको लेकर चुनाव आयोग को तत्परता दिखाते हुए इसकी सकारात्मक पहल करनी चाहिए। इससे किसी के भी मन में चुनाव प्रक्रिया को लेकर कोई भी संशय की स्थिति उत्पन्न न हो। कार्यक्रम में जितेन्द्र मिश्रा, कन्हैया अग्रवाल विनोद सिंह मुख्य रूप से उपस्थित थे।

रिवॉल्विंग गेट में फंसी गाय, आधे घंटे तक तड़पती रही

चक्रधरपुर : रेलवे हाई स्कूल मैदान के रिवॉल्विंग गेट में आज अपराह्न को एक गाय गेट पार करने के प्रयास में फंस गई जिससे लोगों का रेलवे पर गुस्सा फूटा। इस घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों मौके पर पहुंच कर गेट में फंसी गाय को निकालने का काफी प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद लोगों के द्वारा गेट के दीवार एक छोटा सा हिस्सा तोड़ कर गाय को सुरक्षित बाहर निकाला गया। रिवॉल्विंग गेट में गाय का गला बुरी तरह फंस गया था। लगभग आधा घंटे मशक्कत के बाद गाय को सुरक्षित बाहर निकाला गया। विदित हो कि रेल प्रशासन की ओर से लगभग एक सप्ताह पहले रेलवे हाई स्कूल मैदान और एनएच -75- ई के बीच गेट में केवल पैदल पार होने के लिए लोहे का एक रिवॉल्विंग गेट लगा दिया गया है।इसके पूर्व इस सड़क में लोगों का निर्बाध आवागनम होता था। लोगों के साथ साथ छोटे और बड़े वाहनों का भी आसानी से आवागमन होता था लेकिन रेलवे की और से मैदान और स्कूली बच्चों की सुरक्षा का हवाला देकर इस मैदान में बड़े वाहनों का आवागमन रोकने के लिए दीवार खड़ी कर दी और केवल ऑटो और दो पहिए वाहनों के आवागमन के लिए रास्ता छोड़ा गया। कुछ माह के बाद इस रास्ते को और संकुचित कर दिया गया और केवल दो पहिया वाहनों के आवागमन के लिए रास्ता छोड़ा गया था। रेलवे ने स्थानीय लोगों के विरोध के बाबजूद इस गेट में वाहनों के आवागमन में प्रतिबंध लगाने के लिए यहां पर लोहे का एक रिवॉल्विंग गेट लगा दिया गया जिससे लोगों के आवाजाही में दिक्कत हो रहा है।

सड़क दुर्घटना में मौत के पांच दिन बाद प्राथमिकी दर्ज

जमशेदपुर : गोलमुरी थाना अंतर्गत गोलमुरी गोलचक्कर के पास बीते 15 दिवंबर की देर रात सड़क दुर्घटना में मानगो दाईगुट्टू निवासी आकाश कुमार गुप्ता की मौत हो गई थी। घटना के पांच दिन बाद मृतक के पिता दिलीप गुप्ता के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कराया गया है। प्राथमिकी के अनुसार अज्ञात को आरोपी बनाया गया है। इधर, घटना के बाद पुलिस जांच में जुट गई है। बता दे कि 15 दिसंबर की रात आकाश लहूलुहान अवस्था में सड़क पर पड़ा था। पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया था जहां उसकी मौत हो गई थी।

आजसू पार्टी की दो दिवसीय प्रदेश कार्यशाला का समापन

जनमुद्दों पर संघर्ष करें आजसू पार्टी कार्यकर्ता : सुदेश महतो

आजसू पार्टी
दो दिवसीय झारखंड राज्य स्तरीय
खण्ड अध्यक्ष कार्यशाला

संवाददाता

रांची : आजसू पार्टी की दो दिवसीय झारखंड प्रदेश स्तरीय प्रखंड अध्यक्ष कार्यशाला आज सांडी, रामगढ़ के कम्युनिटी सेंटर में सम्पन्न हो गई। कार्यशाला में प्रखंड अध्यक्षों को संगठन मजबूत करने पर मंथन हुआ और संगठन को ग्राम स्तर पर पुनर्गठित करने की रणनीति बनी। कार्यशाला में झारखंड के सभी जिला, प्रखंड तथा नगर समितियों के अध्यक्ष एवं प्रभारी उपस्थित रहे।

कार्यशाला को केंद्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो, केंद्रीय उपाध्यक्ष एवं सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, पूर्व मंत्री एवं प्रधान महासचिव रामचंद्र सहिस, विधायक निर्मल महतो, डॉ लंबोदर महतो, डॉ देवशरण भगत, प्रवीण प्रभाकर, हसन अंसारी, हरेलाल महतो, दीपक महतो, बसंत महतो आदि ने संबोधित किया। स्वागत जिलाध्यक्ष दिलीप दांगी ने किया।

केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने कार्यशाला स्थल पर पार्टी का झंडा फहराया और शहीद बेदी पर पुष्प अर्पण किया। इसके बाद उन्होंने दीप प्रज्वलित कर आज के सत्र की शुरूआत की।

अपने संबोधन में सुदेश महतो ने कहा कि आज राज्य चुनौतीपूर्ण मोड पर खड़ा है। राज्य के 57 विधायकों वाली सरकार से जनता का भरोसा उठ चुका है। उन्होंने कहा कि आजसू कार्यकर्ता राज्य को नेतृत्व देने के लिए संगठन की धार तेज करें। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत बनाएं और जनमुद्दों पर संघर्ष करें। श्री महतो ने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता आजसू की विचारधारा को जन जन तक पहुंचाएं।

छात्रवृत्ति पर आजसू का आंदोलन प्रभावी रहा : चंद्रप्रकाश चौधरी

सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने कहा कि पूरे राज्य में पार्टी को मजबूत करने और सभी प्रखंडों में सक्रियता बढ़ाने के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा कि आजसू ने हमेशा जनता के हक की आवाज बुलंद की है। छात्रवृत्ति के मुद्दे पर आजसू छात्र संघ का आंदोलन प्रभावी रहा है। पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस ने कहा कि योजनाबद्ध ढंग से संगठन को मजबूत करें। उन्होंने कहा कि सुदेश महतो बेदाग नेता रहे हैं।

केंद्रीय महासचिव डॉ लंबोदर महतो ने विशेष मतदाता पुनरीक्षण की बारीकियों पर प्रकाश डाला और चुनाव आयोग को सहयोग करने की बात कही।

विषय प्रवेश करवाते हुए केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर ने कहा कि आजसू ने संघर्ष कर अलग राज्य लिया है। झामुमो हमेशा झारखंड विरोधी राजदझकांग्रेस के साथ रहा है।

विधायक निर्मल महतो ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि आज की कार्यशाला संगठन को मजबूत करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।